



संक्षिप्तवार्ता

मीडिया जगत में शोक!

आईआईएस अधिकारी और पत्रकार विकल्प शुक्ला का निधन

रायपुर। पत्रकारिता और प्रसारण जगत से एक बेहद दुःख खबर सामने आई है। भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी और पत्रकार विकल्प शुक्ला का शनिवार दोपहर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित नारायण अस्पताल में ले जाया गया लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके असाधारण निधन की खबर से रायपुर के मीडिया जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

विकल्प शुक्ला हाल ही में पदोन्नत होकर डिटी डायरेक्टर न्यूज बने थे। वे लंबे समय से रायपुर में पदस्थ थे और इससे पहले दूरदर्शन में भी अपनी सेवाएं दे चुके थे। हाल ही में उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तीन देशों की यात्रा पर जाने का अवसर मिला था।

दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश में पूरा हुआ एसआईआर

नई दिल्ली। एसआईआर के पहले और दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश करार हो चुके हैं। एसआईआर के बाद बिहार, पश्चिम बंगाल, पुद्दुचेरी और असम विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत हासिल की है। केरल में कांग्रेस गठबंधन और तमिलनाडु में टीवीके ने जीत हासिल की है। असम में स्पेशल रिवीजन हुआ। यहां भी बीजेपी सरकार की वापसी हुई। चुनाव आयोग ने 14 मई को हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा की थी। यह एसआईआर का तीसरा फेज है।

पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटों का वैरिफिकेशन हो रहा है, जिन राज्यों में एसआईआर होगा, उनमें पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। अन्य 13 राज्यों में 2028 और 2029 में चुनाव होंगे।

फिल्म काला हिरण विवाद: हाईकोर्ट ने सलमान खान से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता सलमान खान को फिल्म काला हिरण के निमाता की ओर से दायर एक याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। फिल्म निमाता ने अदालत से मांगा की है कि सलमान खान को फिल्म पर रोक लगाने के लिए दायर अपने मुकदमे को वापस लेने का निर्देश दिया जाए, क्योंकि उनका तर्क है कि दिल्ली की अदालत के पास इस मामले में क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का अभाव है। हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सलमान खान से जवाब मांगा है। जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट की ओर से चार हफ्ते का समय दिया गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी।

यह पुरा विवाद फिल्म के पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद शुरू हुआ था। सलमान खान ने आरोप लगाया था कि फिल्म में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है, जो काफी हद तक उनसे मिलता-जुलता है।

45 मेट्रो स्टेशन सुबह 10 बजे तक बंद रखे जाएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज मुख्य चुनाव आयुक्त (एएड) ज्ञानेश कुमार कॉकरोच जनता पार्टी (उखट) ने विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है. सीजेपी की मांग रक्त प्रक्रिया को रद्द करना, मतदाता सूची से कथित तौर पर नाम हटाए जाने के मामले में जवाबदेही तय करना और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की है. सीजेपी के इस प्रदर्शन को आम आदमी पार्टी, वामपंथी दलों और ममता बनर्जी की पार्टी की ओर से समर्थन देने की घोषणा की गई है. सीजेपी ने अपने समर्थकों से सुबह 10 बजे तक जंतर-मंतर पहुंचने की अपील की है.

एयरपोर्ट से जंतर-मंतर पहुंचने की तैयारी

वहीं सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके अपने सहयोगियों सौरभ दास, आशुतोष रांका



और अन्य समर्थकों के साथ सुबह करीब 9:30 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेंगे. इसके बाद उनका

जंतर-मंतर जाने का कार्यक्रम है. हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है. ऐसे

भारतीय वायु सेना अब बन चुकी है एक आधुनिक और सक्षम शक्ति

जोधपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को जोधपुर में मार्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तंत्र शक्ति 2026 में हिस्सा लेते हुए भारत की सैन्य शक्ति और भविष्य की रक्षा रणनीतियों पर अहम विचार व्यक्त किए। उन्होंने जोर देकर कहा कि संकट के समय केवल अपने ही हथियार काम आते हैं, इसलिए भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को अपनी राष्ट्रीय नीति के तौर पर अपनाया। राजनाथ सिंह ने बताया कि भविष्य की सैन्य ताकत का आकलन प्लेटफॉर्म की संख्या से नहीं, बल्कि चीजों को समझने, फैसला लेने और तेजी से कार्रवाई करने की रफ्तार से किया जाएगा। गति, सटीकता, जानकारी और तालमेल

ही अब वास्तविक सैन्य पहचान हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने कई साल पहले ही भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का अनुमान लगा लिया था। इसी विजन से प्रेरित होकर, भारतीय सशस्त्र बल संरचना, संसाधनों और रणनीति के स्तर पर एक बड़े बदलाव से गुजर रहे हैं।

उन्होंने तंत्र शक्ति को भारत की हवाई ताकत के विकास पर 'विचार करने का एक उपयुक्त अवसर बताया। सिंह ने कहा कि आजादी के समय सीमित संसाधनों के साथ काम करने वाली

भारतीय वायु सेना अब एक आधुनिक और सक्षम शक्ति बन चुकी है, जिसके पास एडवांस्ड एयरक्राफ्ट, सटीक निशाना लगाने वाले हथियार, अत्याधुनिक सेंसर और लगातार बेहतर होती स्वदेशी तकनीकें मौजूद हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का आत्मनिर्भर भारत का विजन दुनिया से अलग-थलग पड़ना नहीं है, बल्कि रक्षा से जुड़ी अहम तकनीकों को डिजाइन करने, विकसित करने, बनाने और अपग्रेड करने की घरेलू क्षमता विकसित करना है। भारत ने केवल

में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति बनने की आशंका है.

दिल्ली के किलेबांदी में फंसे विदेशी: टैना तीन दिन से होटल में कैद, अधूरा रह गया सपना; पीटर सबसे ज्यादा परेशान

नई दिल्ली। विदेश से दिल्ली घूमने आए पर्यटकों को प्रदर्शन ने दिल्ली की सड़कों पर भटकने को मजबूर कर दिया। किसी ने लाल किला और इंडिया गेट देखने का सपना संजोया था, लेकिन बैरिकेडिंग ने रास्ता रोक दिया। किसी को एयरपोर्ट पहुंचना था, मगर वो आगे जाने का रास्ता तलाशते रहे। कई विदेशी पर्यटक तीन दिन से होटलों में कैद हैं।

प्रदर्शन के महेनजर की गई पुलिस की किलेबंदी का असर विदेशी पर्यटकों पर ऐसा पड़ा कि दिल्ली घूमने की उनकी योजनाएं धरी की धरी रह गईं। न्यूजीलैंड से आए मार्क और टैना, स्पेन से आए जियोमो और मैरियल व लंदन से आए पीटर और केल्विन समेत कई विदेश पर्यटकों को दिल्ली में हुई किलेबंदी के कारण परेशानी झेलनी पड़ी। लंदन से आए पीटर और केल्विन को एयरपोर्ट पहुंचना था, लेकिन पुलिस की किलेबंदी के कारण उनकी राह मुश्किल हो गई। रास्तों पर बैरिकेड लगे होने और ट्रैफिक डायवर्ट के कारण उन्हें आगे बढ़ने में परेशानी हुई। उन्हें यह पता करने में भी मशक्कत करनी पड़ी कि एयरपोर्ट जाने के लिए कौन-सा रास्ता खुला है।

अभिनेता अमिताभ बच्चन को दिल्ली हाईकोर्ट में पेश होने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता अमिताभ बच्चन को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। जस्टिस पुरुषोत्तम कुमार कोरव की



अदालत ने ये आदेश दिया है। मामला बिग बी के पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़ा है। कोर्ट ने कहा कि अगर समझौता नहीं होता है और अमिताभ बच्चन अपना केस आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें खुद कोर्ट में पेश होना होगा। बता दें अमिताभ बच्चन ने साल 2022 में दिल्ली हाईकोर्ट में अपने ब्यक्तिव अधिकारों की सुरक्षा के लिए याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने अपने नाम, तस्वीर, आवाज और पहचान से जुड़ी दूसरी चीजों के गलत इस्तेमाल को रोकने की मांग की थी। उनका कहना था कि कुछ लोग बिना अनुमति उनके नाम और लोकप्रियता का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर रहे हैं।

यूट्यूबर ध्रुव राठी गुरुग्राम स्थित घर से हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह यूट्यूबर ध्रुव राठी को गुरुग्राम के सेक्टर-56 स्थित उनके आवास से हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन से पहले की गई। ध्रुव राठी ने इस प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा की थी। उनकी हिरासत के बाद सीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए तत्काल रिहाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह दिल्ली पुलिस के करीब 50 जवानों की टीम ध्रुव राठी के आवास पर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया। हालांकि, हिरासत में लिए जाने के कारणों और आगे की कानूनी कार्रवाई



को लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा जेवर एयरपोर्ट का नाम



योगी कैबिनेट में प्रस्ताव पास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शुक्रवार को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। अब एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा-जेवर रखने का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। कैबिनेट में प्रस्ताव पारित होने के बाद अब जेवर एयरपोर्ट का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। हालांकि, नाम बदलने की अंतिम औपचारिकताएं अभी पूरी होनी बाकी हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने जेवर एयरपोर्ट को राज्य के लिए बड़ी सौगात बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट और देश का प्रमुख हवाई यातायात केंद्र बनेगा। योगी ने कहा कि कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के विकास के लिए उनकी लगातार प्रतिबद्धता की सराहना की है। योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए पूरी मेहनत, ऊर्जा और समर्पण के साथ काम करते रहने का संकल्प दोहराया है। जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दिल्ली-एनसीआर का दूसरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है। इसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित किया गया है। पहले चरण में एक रनवे और यात्री टर्मिनल बनाया गया है, जिसकी सालाना क्षमता करीब 1.2 करोड़ यात्रियों की है।

राजोरी में हादसा: खाई में गिरा वाहन, एक ही परिवार के 30 लोग सवार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के कम से कम दो लोगों की मौके पर मौत हो गई और 21 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यात्रियों से भरा एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन में एक ही परिवार के लगभग 30 सदस्य सवार थे। यह दर्दनाक हादसा राजौरी जिले के कालाकोट उपमंडल के मोगला-तारयाट क्षेत्र के केरी छब्बर इलाके में हुआ।

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में शुक्रवार को रुक-रुककर बारिश हुई। छह जिलों में बड़े-बड़े ओले गिरे। पौड़ी गढ़वाल जिले के कोटद्वार में तेज बारिश के कारण सड़कों पर खड़े दोपहिया वाहन बह गए। हरिद्वार में ओले गिरने से कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। वहीं, रामनगर में पर्यटकों की चलती इलेक्ट्रिक कार पर पेड़ गिर गया। चमोली में बंदीनाथ हाईवे और पिथौरागढ़ में आदि कैलाश मार्ग समेत



कई सड़कों पर मलबा और पेड़ गिरने से आवाजाही प्रभावित हुई। जोशीमठ में बारिश का पानी और मलबा घरों में



लखीमपुर खीरी में शारदा नदी में 13 घर और कई मंदिर समा गए

रहा है। 40 हजार से ज्यादा घर आधे से ज्यादा पानी में डूब गए। 3 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। फैजुल्लागंज की सड़कों पर नाव चल रही हैं। गोंडा के आठ गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है और 7 हजार से ज्यादा लोग फंसे हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी के कटाव से 13 घर

और चार मंदिर नदी में समा गए।

बिहार में बेतिया, खर्गाड़िया, मधुबनी, समस्तीपुर, बेगूसराय और मुजफ्फरपुर में शनिवार सुबह से बारिश हो रही है। पटना में काले बादल छाए हैं और तेज हवा चल रही है। दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सीतामढ़ी और वैशाली में आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। वहीं, शुक्रवार को भागलपुर के नवगछिया स्थित राघोपुर के पास गंगा नदी में कटाव से कई घर नदी में समा गए।

दिल्ली-मुंबई, अब पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों को बना रहे नया ग्रोथ इंजन

एयरस्पेस बंद होने और अमेरिका वीजा नीतियों ने बदला इंटरनेशनल ट्रेवल का ट्रेंड

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितता, एयरस्पेस बंद होने और अमेरिका की कड़ी वीजा नीतियों ने भारत के अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को एक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

अब तक खाड़ी देशों, अमेरिका और यूरोप के भरोसे चलने वाले भारत के दो सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय गेटवे, दिल्ली और मुंबई, अब तेजी से पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों को अपना नया ग्रोथ इंजन

बना रहे हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट की संचालन एजेंसी डायल के चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अगस्त के आधिकारिक आंकड़े इस बड़े बदलाव की पुष्टि करते हैं। जहां दिल्ली से कुल अंतरराष्ट्रीय टैफिक 0.8 फीसदी बढ़कर 86.2 लाख रहा, वहीं एशिया-पैसिफिक क्षेत्र के यात्रियों में 11.4 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया, जो 32.1 लाख से बढ़कर 35.7 लाख पहुंच गया। इसके ठीक उलट, उत्तर अमेरिका का टैफिक 26.2 फीसदी गिरकर 7.5 लाख से घटकर सीधे 5.5 लाख पहुंचा। इसके अलावा, खाड़ी



देशों के यात्रियों में 4.1 फीसदी की गिरावट आई और अफ्रीका के टैफिक में 10.9 फीसदी की कमी

दर्ज की गई, जबकि यूरोप का टैफिक 19.6 लाख से मामूली बढ़कर 19.7 लाख के साथ लगभग

सीधी उड़ानों का विस्तार करने जा रही है

रिपोर्ट के मुताबिक चुनौतियों के बावजूद डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि इस वित्ति वर्ष में दिल्ली एयरपोर्ट का कुल पैसेंजर फुटफाल 8.2 करोड़ रहने की उम्मीद है, जो वित्त वित्ति वर्ष के 7.9 करोड़ से करीब 4 फीसदी ज्यादा है। 25 अक्टूबर से मार्च अंत में दिल्ली से फिलीपींस एयरलाइंस (मनीला), ईवीए एयर (ताइपे), हन्नी एयर (मंगोलिया) और उराल एयरलाइंस (रूस) की नई सेवाएं शुरू हो रही हैं। इसके अलावा, एयरबस ए350, बोइंग 787 और ए321एक्सएलआर जैसे नए जमाने के विमानों के बेड़े में शामिल होने से एअर इंडिया और इंडिगो जैसे भारतीय एयरलाइंस अगले 12 से 18 महीनों में जापान, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के लिए सीधी उड़ानों का विस्तार करने जा रही हैं।

स्थिर बना हुआ है।

इस बदलाव के पीछे सटीक कारण और बदलते प्रोटोकाल हैं। पहला पाकिस्तानी एयरस्पेस की लगातार बंदी और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण एयरलाइंस

को लंबे और वैकल्पिक रूट लेने पड़ रहे हैं, जिससे विमान ईंधन की खपत और आपरेंटिंग कास्ट बढ़ी है और अमेरिका व खाड़ी देशों का सफर महंगा हुआ है। वहीं, दूसरा ओर अमेरिका और कनाडा में

भारतीय छात्रों व विजिटर्स के लिए कड़े नियम, वीजा मिलने में देरी और एयर इंडिया द्वारा अहमदाबाद हादसे के बाद अपनी लागू-हाल उड़ानों में कटौती करने से उत्तर अमेरिका का टैफिक बुरी तरह

प्रभावित हुआ है।

रूट्स तैयार कर रही है

तीसरा- लुफ्तहंसा, स्विस् और ब्रिटिश एयरवेज जैसी प्रमुख यूरोपीय एयरलाइंस ने पश्चिम एशिया के लिए अपनी उड़ानें घटाकर भारत के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाई है, जिससे यूरोप रूट पर ट्रैफिक बना हुआ है। इसके साथ ही, सुरक्षा और इमिग्रेशन को लेकर एक बड़ा नया प्रोटोकाल भी लागू हुआ है। अनुमान है कि नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस बदलाव को और मजबूती देगा, जहां से एयरलाइंस सुदूर पूर्व और आस्ट्रेलिया के लिए रूट्स तैयार कर रही हैं।

संपादकीय पर्यावरणीय नक्शे पर अतिक्रमण

इस तरह कहीं की आद्रता कहीं पहुंच गई। बहरहाल आपदा के दुष्पक्र की निशानी में हेलगन का विकल्प रोका जा रहा है। करीब पंद्रह सालों से हेलगन एक उपाय बन कर सेब आर्थिकी के जख्म पोंछ रही थी, लेकिन विज्ञान आधारित उपकरण ने

एंट्री हेलगन के इस्तेमाल पर लगी अदालती रोक के अर्थ समझने होगे। यह बागबानी क्षेत्र के अनुसंधान तथा बचाव के सामने आया ऐसा आदेश है जो पर्यावरण संरक्षण की कुडियां खोल रहा है। पर्यावरणीय संतुलन के खिलाफ विज्ञान का स्थायी रुख कई बार सामुदायिक मुसीबतें खड़ी कर देता है। इस मामले में भी गरजती हेलगन द्वारा खदेड़े गए बादलों ने कहीं अन्यत्र खिसक कर भारी बारिश कर दी।

एस्टेट नियामक प्राधिकरण का मुख्यालय जैसे ही धर्मशाला पहुंचा है, निर्माण की सुखियां बदलने लगी हैं। आवासीय मांग से प्लॉटिंग में आई तेजी ने बता दिया कि इस क्षेत्र के नुक्ते गैर कानूनी है।

पर्वतीय व भौगोलिक स्थिति के अन्वेषण के बिना जमीनं बिक रही हैं, तो पड़ताल जरूरी है। पहले ही खड्डों-नालों के करीब बसे लोग आपदाओं से दो चार हो रहे हैं, तो अब नई बस्तियों के नाम पर ऐसी कोताही तकनी होगी। खैर रेरा की फाइलों ने नवनिर्माण के घातक चिन्ह खोजने में कड़ा रुख अखिरवार किया है, तो कुछ परियोजनाओं पर विराम लगा है। यहां रेरा की तर्ज पर शहरी विकास योजनाओं को विकास से सुहृद् कदम लेने में निकायों के हाथ मजबूत करने होंगे, जबकि हिमुड़ा के तहत हुए मांग सर्वेक्षणों के आधार पर नए विकल्प तैयार करने पड़ेंगे। पर्यावरण सुक्षा का एक दबाव शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कूड़ा-कर्कट प्रबंधन से जुड़ा विषय भी है। पूरे प्रदेश की तस्वीर से रिसता टनों कचरा आज पर्यावरणीय दृष्टि से खतरनाक सिद्ध हो रहा है, जबकि शहरी परिवेश के करीब से बवती नदियों, नालों, खड्डों या कूहलों पर हुए अतिक्रमण ने स्थिति को और विकराल कर दिया है। प्रदेश में पर्यावरण के नक्शे पर विकास का अतिक्रमण दिखाई दे रहा है, तो जेसीबी मशीनों ने नवनिर्माण की मान्यताएं ही तोड़ दी हैं। शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों की कैरिंग कैपेस्टी के खिलाफ निर्माण के अलावा बहुती जनसंख्या या पर्यटक आमद का विश्लेषण करना पड़ेगा। अभी हाल ही में लंबे सप्ताहांत के कारण पर्यटन का एक रेला पहाड़ों की व्यवस्था के खिलाफ साबित हुआ। धर्मशाला के त्रिपुंड तक इस दौरान ट्रैकिंग की भीड़ ने मकसद और सुकून दोनों ही धराशायी नहीं किए, बल्कि पर्यावरणीय ऊर्जा भी तहस नहस की। पर्यटन उद्योग के फैलते पंजों पर यदा कदा एनजीटी भी सख्त निर्देश देता है, लेकिन राज्य ने आज तक इस दृष्टि से स्पष्ट दिशा निर्देश और खबरे नहीं बनाए।

गर्मी का मौसम अब जाने लगा है। आंदोलन का मौसम दस्तक दे चुका है। पहले गर्मी ने परेशान किया। गर्मी के बीच लगने वाले बिजली कट ने परेशान किया। फिर हर महीने भारी भरकम बिजली के बिलों ने परेशान किया। अब आंदोलन का मौसम परेशान करने वाला है। आंदोलन के मौसम में मले ही कई दलों के राजनीतिक नेताओं की चांदी हो जाए लेकिन हमारे जैसे आम आदमी को आंदोलन के दौरान कमी सडक जाम तो कमी सरकारी बसों की हड़ताल से जूझना पड़ता है।

आलेख

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुदराूपन था, संवादों में धार थी, आंखों में आकांक्षी और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये आशीर्वादी भी थे।

नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिक एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहें। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला- संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। नाना का

फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक खलफि युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी ईंसान के लिये प्रेरणादायी अद्यथा भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में घिर गया। पिता का कारोबार को मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे। काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अग्रपान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया।

कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे. जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड आर्ट में शिक्षा ली। भारतीय एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करने रहें। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं।

मेडीकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना स्वास्थ्य सेवाओं के लिये नुकसानदेह

पिछले कुछ सालों से देश भर में नये मेडीकल कॉलेज खोलने की होड़ मची हुई है और कोई भी राज्य सरकार पीछे नहीं छूटना चाहती इसलिए जब तब नये मेडीकल कॉलेज खोलने की घोषणाएं अखबारों की सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार ने भी 12 और मेडीकल कॉलेज खोलने की घोषणा की है।

देश के अन्य राज्यों में भी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रसार की यही कहानी है और नतीजा यह कि 2014 में 387 से बढ़कर 2026 में मेडीकल कॉलेजों की संख्या 858 हो चुकी है। इसी अवधि में एमबीबीएस की सीटें 51 हजार से बढ़कर एक लाख 1 लाख 40 हजार तथा पीजी की सीटें 31 हजार से बढ़कर 86 हजार हो चुकी हैं। इस बीच महाराष्ट्र, आईएमए के प्रदेश सहसचिव डॉ अनुपम ताकलकर का बयान गौरतलब है कि इस बढ़ोतरी पर विराम देने की जरूरत है क्योंकि इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की पूरी आशंका है।

वाकई इस मामले पर पुनर्विचार एवं गहन मंथन की आवश्यकता है। जनता में लोकप्रियता हासिल करने के लिये राजनेता इस तथाकथित विकास का आश्वासन दे रहे हैं परन्तु वास्तव में यह औचित्यहीन कदम स्वास्थ्य सेवाओं पर बुरा असर डालने वाला है। दरअसल किसी अन्य शिक्षा संस्थान की तुलना में मेडीकल शिक्षा एकदम अलग है। उदाहरण के लिये एक बढ़िया तकनीकी संस्थान खोलने में जमीन, भवन, हॉस्टल, प्रयोगशाला, उपकरण तथा शिक्षकों की व्यवस्था करना ही पर्याप्त होता है। लेकिन मेडीकल कॉलेज में इन सबकी व्यवस्था के अलावा एक और अनिवार्य जरूरत होती है कि वहां बड़ी संख्या में मरीज भी आएं। तकनीकी शिक्षा तो किसी उन्नत प्रयोगशाला में ही प्राप्त की जा सकती है जबकि मेडीकल शिक्षा के लिये मरीज एक अनिवार्य फैक्टर है क्योंकि वह पढ़ाई ऐसी है जिसमें छात्रों



से मरीज देखने एवं रोग का निदान तथा उपचार करने का ही कार्य करवाया जाता है। अन्य तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के बाद उक्त छात्र को तजुर्बे के लिये कहीं वास्तविक काम करके व्यावहारिक तजुर्बा लेना पड़ता है जबकि एक नया एमबीबीएस किसी मरते हुए इंसान की जान बचा सकता है।

यद्यपि मेडीकल कॉलेज खोलने के लिये निर्धारित न्यूनतम जमीन की शर्त अब हटा दी गई है लेकिन फिर भी इसके लिये काफी ज्यादा जमीन की जरूरत होती है जो आम तौर पर शहरों के बीच उपलब्ध नहीं होती। इसलिए नए मेडीकल कॉलेज शहर से दूर स्थानों पर बनाए जाते हैं। सर्वविदित है कि ऐसे बहुत से नये मेडीकल कॉलेजों में मरीजों का पहुंचना आसान नहीं है। इसके लिये कहीं कहीं मुफ्त ऑटो या मुफ्त बस सेवा की व्यवस्था की जाती है। फिर भी वांछित संख्या में मरीज नहीं पहुंच पाते। उस पर शिक्षकों का अभाव दूसरी बड़ी समस्या है। मेडीकल शिक्षा की नियामक संस्था एनएमसी के निरीक्षण दौरे के समय शिक्षकों को उपस्थित अवश्य दिखा दिया जाता है लेकिन ये सिर्फ खानापूरी के लिये आते हैं। हालात यह है कि अधिकांश मेडीकल कॉलेज इसी तरह की घोस्ट फैकल्टी (छ्ब शिक्षक) से चल रहे हैं। परिणामस्वरूप

खूबसूरत बिल्डिंग और अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के बावजूद ऐसे कॉलेजों में एकेडमिक तथा प्रैक्टिकल शिक्षा आधी अधूरी ही हो पाती है। वहीं हाल पीजी शिक्षण का भी है। इस वजह से बहुत से ऐसे डॉक्टर तैयार किये जा रहे हैं जिनका वलीनिकल ज्ञान अधूरा है और वे पर्याप्त प्रशिक्षण के बिना ही मरीजों का उपचार करने के लिये अधिकृत हैं।

ऐसा नहीं कि एनएमसी को इन सब धांधलियों की जानकारी नहीं लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि गैरजरूरी मेडीकल कॉलेज खोलने के राज्य सरकारों के लोकप्रिय अभियान को चालू रखने के लिये एनएमसी भी खानापूरी में पूरा सहयोग दे रही है। वैसे भी देश में वास्तविक स्थितियों को नजरअंदाज करके कागजी कार्रवाई को प्राथमिकता देने की परम्परा है। स्वास्थ्य सम्बन्धी अन्य योजनाओं का भी यही हाल है। उचित गाइडलाइंस के अभाव में आयुष्मान योजना भी दम तोड़ रही है। सरकार अस्पतालों पर दौष मढ़ती है और अस्पताल सालों से लॉकबत पड़े करोड़ों के बाकी भुगतान को लेकर लामबंद हो रहे हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र बिल्कुल खस्ताहाल हैं जहां न दवाएं हैं और न ही डॉक्टर। जिला अस्पतालों में भी डॉक्टर और स्टॉफ के सैकड़ों पद खाली हैं

शेयर बाजार में शनि राहु और केतु की छाया?

भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए गुरुवार का दिन बहुत खराब साबित हुआ। एक ही झटके में 11.37 लाख रुपए निवेशकों के डूब गए। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से लेकर गौतम अडानी की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। सभी सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। शेयर बाजार 1045 अंक गिरकर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 71593 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 371 अंक की गिरावट के साथ 22322 पर बंद हुआ। रही सही कसर डॉलर के मुकाबले रुपया ने लगभग 97 रुपए के स्तर पर पहुंचकर पूरी कर दी। पिछले दो सप्ताह से रिजर्व बैंक डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को संभालने के लिए काफी प्रयास कर रहा है। इसके बाद भी रुपया गिरने से रुक नहीं रहा है। रही सही कसर कच्चे तेल के दम बढ़ने से डालर का मूल बढ़ती जा रही है, जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपया में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कच्चे तेल और डॉलर का भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे डॉलर के रेट



रुपए के मुकाबले बढ़ रहे हैं, इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को उठाना पड़ रहा है। आखिर शेयर बाजार की यह हालत क्यों हुई, इसको लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में रेपो रेट में बदलाव किया है। रेपो रेट 0.25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 की गई है। इसको लेकर शेयर मार्केट में घबराहट देखने को मिल रही है। वैश्विक देशों के शेयर बाजारों में भी इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। जिसका असर भारतीय शेयर

बाजार में दिख रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है, भारत के शेयर बाजार से विदेशी निवेश लगातार निकलता चला जा रहा है, जिसके कारण डोमेस्टिक निवेशक भी घबराहट में आ गए हैं। भारत की वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी भारी दबाव देखने को मिल रहा है। इससे भारत का शेयर बाजार निकट भविष्य में सुधार पायेगा? मार्केट में घबराहट देखने को मिल रही है। वैश्विक देशों के शेयर बाजारों में भी इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। जिसका असर भारतीय शेयर

फरमान जारी किया है। जिसमें भारत की 8 आईटी कंपनियों को पीईआरएम प्रोग्राम से बाहर किया है। इनमें इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, कॉर्निजेंट, कैपजेमिनी सहित आठ कंपनियों के कर्मचारियों को अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट और एडोब भी शामिल है। इसका असर भारतीय कंपनियों में पड़ना तय है। ट्रंप के इस कदम से भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिका में काम मिलने से दिक्कत होगी, जिसका प्रभाव इन कंपनियों पर पड़ना तय है। पिछले 2 साल से भारतीय शेयर बाजार की हालत खस्ता है। शेयर बाजार को संभालने के लिए जितने भी प्रयास किए जा रहे हैं, अब सब उल्टे पड रहे हैं। ऐसा लगता है, ग्रह नक्षत्र ने जो दशा बदली है। इसका सबसे बड़ा असर शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है।

शेयर बाजार और भारतीय राजनीति में इन दिनों कब कीन सा परिवर्तन हो जाए, कहा नहीं जा सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर जिस तरह की चिंता अर्थशास्त्री व्यक्त कर रहे हैं, वह विचारणीय है। उनका कहना है, भारत में इतने बड़े

आर्थिक संकट के दौर में अच्छे अर्थशास्त्रियों का नहीं होना, सरकार द्वारा स्वयं निर्णय लेना, अर्थशास्त्रियों की सलाह को नहीं मानना, समय पर निर्णय नहीं लिए जाने के कारण भारतीय शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति आने वाले दिनों में और भी खराब हो सकती है। शेयर बाजार में मंदणियों का कब्जा होता चला जा रहा है। तेजड़िये शेयर बाजार से नदारत हैं। इससे भारतीय वित्तीय संस्थानों की भी चिंता बढ़ती जा रही है। उन्हें अपनी बैलेंस शीट और मुनाफे को लेकर चिंता होने लगी है। बाजार के वर्तमान हालात को देखते हुए लोगों को अब हर्षद मेहता और 1992 के शेयर बाजार में हुए घोटाले की भी याद आने लगी है। सरकारी के खिलाफ आंदोलन प्रदर्शन चल रहे हैं। ऐसी विषम स्थिति में जब सरकार को अर्थव्यवस्था पर ध्यान देना था, उस समय पर वह अपने आपको बचाने में लगी हुई है। ऐसी स्थिति में भारतीय अर्थ व्यवस्था और शेयर बाजार को लेकर सभी जगह चिंता देखने को मिल रही है।

(लेखक – सनत जैन)

आंदोलन का मौसम...



कार्यकर्ताओं को नारे लगाने हैं और पुलिस को बैरिेड संभालने हैं। फंसना सिर्फ आम आदमी को है।

अस्पताल जाने वाला मरीज, स्कूल से लौटता बच्चा, नौकरी पर जाने वाला कर्मचारी और दुकान खोलने वाला

दुकानदार – सब लोकतंत्र की इस महान कवायद में अनजाने प्रतिभागी बन जाते हैं। आंदोलनकारी कहते हैं – हम जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं। सडक पर फंसा आम आदमी सोचता है– भाई, लड़ाई मेरी है तो कम से कम मुझे पते तो जाने दो! सरकारों का भी आंदोलन से निपटने का अपना विज्ञान है। पहले ज्ञापन दो, फिर अश्वासन दो, फिर कमेटी बनाओ। कमेटी अध्ययन करेगी, अध्ययन के बाद रिपोर्ट आपणी और रिपोर्ट आने तक अगला आंदोलन शुरू हो जाएगा। इस तरह समस्या भी जीवित रहती है और राजनीति भी। विपक्ष में बैदा नेता आंदोलन को लोकतंत्र की आवाज बताता है और सत्ता में आते ही वही आंदोलन उसे कानून-व्यवस्था का संकट दिखाई देने लगता है। राजनीति में कुर्सी सचमुच बहुत शक्तिशाली वस्तु है, कुर्सी बदलते ही विचारधारा का चरम भी बदल जाता है। आजकल आंदोलन का एक डिजिटल रूप भी आ गया है। पहले नारे दीवारों पर लिखे जाते थे, अब सोशल मीडिया पर हैशटैग चलते हैं।

धरना स्थल पर जितने लोग हों उससे ज्यादा महत्वपूर्ण

यह है कि वीडियो कितने लोगों ने देखा। क्रांति अब लाइव होती है और कभी-कभी रील बनकर अगले दिन तक खत्म भी हो जाती है। मगर असली समस्या वहीं रहती है– महंगाई, बेरोजगारी, बिजली के बिल, सडकों और आम आदमी की रोजमर्रा की परेशानियां। हमें आंदोलन को कई शिकायत नहीं। लोकतंत्र में विरोध जरूरी है और सरकार को जनता की आवाज सुननी भी चाहिए। लेकिन एक विनम्र सुझाव जरूर है – जनता की लड़ाई लड़ते समय जनता को ही बंधक न बनाया जाए। सरकार के खिलाफ नारे लगाइए, ज्ञापन दीजिए, धरना दीजिए, बैरिेड हिलाइए, मगर आम आदमी के लिए एक लेन खुली छोड़ दीजिए। क्योंकि नेता जी का आंदोलन खत्म होने का इंतजार किया जा सकता है, सरकार से बातचीत भी हो सकती है। मगर धर से आगे पलंग टाला नहीं जा सकता– कहां रह गए? सच्ची लेते हुए आना। यही वह आदेश है जिसके आगे बड़े-बड़े आंदोलन भी शांतिपूर्वक स्थगित हो जाते हैं!

गुरमीत बेदी, साहित्यकार

नाना पाटेकर: अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुदराूपन था, संवादों में धार थी, आंखों में आकांक्षी और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये आशीर्वादी भी थे।

नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिक एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहें। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला- संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। नाना का

हमीदाबाईकी कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें रंगीन करमर्मी के रूप में पहचाना है। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना भी सुदृढ़ किया। नाना के करियर की शुरुआत फिल्म ह्यामराह्ल से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म ह्यापरिदाह्ल से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अख्ती फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, शरावंत, अब तक छापन, अहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाई।

इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। ह्यामगराह्ल में उनका नकारात्मक किरदार, ह्यातिरगाह्ल में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव गमले, ह्याकालीवीर की मखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, ह्याअनिसाबीह्ल में जटिल मानसिकता वाला पात्र और ह्याखामोशी : द म्यूजिकलह्म में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे

बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाते वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी कभी तेज नहीं होती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अवधारणी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुंह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होने देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय हावेलकमह्ल है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय श्रेठी के रूप में ऐसी कौमेंडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद बने गई। उनका ह्याकट्रोल, उदय, कंट्रोल्ड ह्या जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा है। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिंदा और क्रांतिवीर

में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में ह्याअब तक छापनह्म, अपहरण, शक्ति: द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छापन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी फुसफुसाहट बन जाते तो कभी विस्फोट की तरह उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। ह्यानटस्म्राटह्म (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकारों के भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। ह्याप्रहार : द फाइनल अ्टेकह्म का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद हैं। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टैरिटरियल आर्मी से जुड़े और लोपेटेन्ट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पर्दे पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी

राष्ट्रीयता किसी नारे की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण संकट से वे गहराई से जुड़े। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासुरे के साथ नाम फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग भी किया। प्रवानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया कि वे एक सच्चे ह्याकालीवीरह्म थे जिन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगातार

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्तर बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहे। वे ग्लेमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से

कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्मों ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रबोध को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों ने उनके भीतर के मनुष्य को जीवित रखा। उनके अभिनय की विरासत केवल पुरस्कारों में नहीं, उन पात्रों में है जिन्हें उन्होंने अमर कर दिया। परिंदा का अन्ना, क्रांतिवीर का प्रताप, तिरंगा का शिवाजी राव, अब तक छापन का पुलिस अधिकारी, नटसम्राट का गणपत बेलवकर और वेलकम का उदय श्रेठी-ये सभी नाना के अलग-अलग चेहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, जीवन के अलग-अलग चहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, संवेदनशीलता के साथ जीता था। नाना पाटेकर का जैवन हमें यह संदेश देता है कि प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती। जिस किशोर ने कभी 35 रुपये महीने के लिए फिल्म पोस्टर रंगे थे, वही आगे चलकर तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों और पद्मश्री से सम्मानित हुआ। भारत ने एक अभिनेता खोया है, लेकिन उसकी कला, आवाज, संवाद, संघर्ष और संवेदनशील नागरिक की छवि लंबे समय तक जीवित रहेगी। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी फिल्म शायद उनका अपना जीवन था-संघर्ष से शुरू हुई, संवेदना से समृद्ध हुई और कर्म की सच्चाई पर समाप्त हुआ।

(लेखक – ललित गर्ग)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है.)

संक्षिप्तवार्ता

केजरीवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग की

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश के मौजूदा हालात को आपातकाल से भी बदतर बताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है और सरकार से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की है। केजरीवाल ने शनिवार को एक्स पोस्ट में आरोप लगाया कि देश में तानाशाही जैसी स्थिति है। विमान से उतरते ही कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करना भय के अभूतपूर्व स्तर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जानती है कि उन्होंने चुनाव में वोट चोरी के जरिए जीत हासिल की है और अब वे कथित चुनावी धांधली को बचाने के लिए लोकतंत्र को पूरी तरह कुचलने में लगे हैं।

दिल्ली को बंधक बनाने की छूट नहीं मिलेगी- रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) । दिल्ली में शनिवार के प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नेता राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल अपनी बी-टीम सीजेपी के साथ मिलकर दिल्ली को अखाड़ा बनाना चाहते हैं। ये नेता अपनी लगातार हार की खोज, जनता पर उतार रहे हैं। सड़कों पर अव्यवस्था से परेशान होने वाले दिल्लीवासियों का इसमें क्या दोष है। रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि काम पर जाने वाले कर्मचारियों, रोज कमाकर परिवार चलाने वाले श्रमिकों और अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की परेशानी की जिम्मेदारी कौन लेगा। क्या आपकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं दिल्ली के लाखों परिवारों की रोजी-रोटी, सुरक्षा और शांति से भी बड़ी हैं।

देर रात तक मोबाइल चलाने से बिगड़ रही युवाओं के दिमाग की सेहत

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) । आज के समय में मोबाइल और लैपटॉप युवाओं की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। पढ़ाई, काम और मनोरंजन के लिए स्क्रीन का इस्तेमाल आम हो गया है। हालाँकि, देर रात तक मोबाइल चलाना और पर्याप्त नींद न लेना युवाओं के दिमाग और सेहत पर बुरा असर डाल सकता है। इससे एकाग्रता, याददाश्त और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। कड़कड़-झुझा स्थित एक निजी अस्पताल के न्यूरोसर्जनी विभाग के प्रिंसिपल कंसल्टेंट डॉ. गौरव बत्रा के अनुसार, सोने से पहले लंबे समय तक मोबाइल चलाना, देर रात तक जागना और सोने-जागने का समय बार-बार बदलना दिमाग को मिलने वाले जरूरी सेहतमंद बाधा डाल सकता है।

डॉ. गौरव बत्रा ने बताया कि लंबे समय तक पर्याप्त नींद न लेने से थकान, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द और याददाश्त से जुड़ी समस्याएँ हो सकती हैं। इसका असर पढ़ाई, काम और एकाग्रता पर भी पड़ सकता है। जिन युवाओं को पहले से माइग्रेन या सिरदर्द की समस्या है, उनमें अनियमित नींद और लंबे समय तक स्क्रीन देखने से लक्षण बढ़ सकते हैं।

2020 दिल्ली दंगा: पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन एक और केस में दोषी करार, 12 सह-आरोपियों को मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) । वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े दयालपुर थाना क्षेत्र के एक मामले में दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दंगे के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराया है। हालांकि, अदालत ने इस मामले में सह-आरोपियों अन्य 12 लोगों को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने ताहिर हुसैन को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147 (दंगे के लिए सजा) और धारा 109 (उकसाने) के तहत दोषी करार दिया है,

विमान से अभिजीत दीपके हिरासत में, केजरीवाल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) ।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को दिल्ली में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले विमान के भीतर से हिरासत में लिए जाने के मामले ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों से जुड़ा मामला बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास कर रही है।

केजरीवाल ने अभिजीत दीपके की हिंसात पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश में तानाशाही जैसी स्थिति बन गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का था कार्यक्रम

कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। पार्टी की प्रमुख मांग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा है। पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाए हैं। इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरभ दास दिल्ली पहुंचे थे। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, विमान के दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद पुलिसकर्मों विमान के भीतर पहुंचे और दीपके सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस घटनाक्रम के बाद केजरीवाल ने पुलिस की कार्रवाई पर आपत्ति जताई। हालाँकि, हिरासत के संबंध में पुलिस की ओर से दी गई विस्तृत आधिकारिक वजह और संबंधित कानूनी आधार की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

को विरोध प्रदर्शनों और विपक्ष की आवाज से डर लग रहा है। हालाँकि, सरकार की मंशा को लेकर लगाए गए ये आरोप केजरीवाल के राजनीतिक वक्तव्य हैं।

सीजेपी प्रदर्शन से दिल्ली में दुकानें बंद

खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन ने कहा- व्यावसायिक क्षेत्रों में बनाएं शांति



नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) । खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव मेहरा ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली विरोध प्रदर्शन के संदर्भ में कहा है कि उन्होंने खुद बाजार बंद रखने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि खान मार्केट उन पहले बाजारों में शामिल है, जो पास में प्रदर्शनकारियों को रोके जाने पर प्रभावित होते हैं। इससे दुकानों और संपत्ति को नुकसान पहुंचने का डर रहता है।

मेहरा ने कहा कि खान मार्केट, कर्नाट प्लेस और साउथ एक्सटेंशन जैसे बाजारों में दुकानें बंद रहने पर भी किराया और वेतन जैसे ऊंचे खर्च जारी रहते हैं। एक दिन के बंद से प्रति दुकान न से 1.5 लाख रुपये का नुकसान हो सकता है। फल और किराने जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं नुकसान को और बढ़ा देती हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने तरीके पर पुनर्विचार करें और व्यस्त

संजय सिंह का केंद्र पर हमला, बोले- दिल्ली को छावनी बना दिया

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) । कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को आम आदमी पार्टी ने समर्थन दिया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर तोखा हमला बोलाते हुए आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए पूरे देश, विशेषकर दिल्ली में असाधारण प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार है तथा सरकार को लोगों की आवाज दबाने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने मेट्रो सेवाओं और रेलगाड़ियों पर लगाई गई पाबंदियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदर्शन रोकने के लिए उठाए गए कदमों से आम यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। उनके अनुसार, सरकार की कार्रवाई ने आपातकाल से भी अधिक गंभीर परिस्थितियां पैदा कर दी हैं। हालाँकि, ये आरोप संजय सिंह के राजनीतिक बयान हैं।

'एक व्यक्ति को बचाने के लिए दिल्ली बंद' संजय सिंह ने अपने बयान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्हें बचाने के लिए दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राजधानी में आने वाली रेलगाड़ियों को रोकने और विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती जैसे कदमों से लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में असहमति और विरोध के लिए स्थान होना चाहिए। संजय सिंह ने चेतावनी दी कि यदि लोगों की आवाज दबाने का प्रयास किया गया, तो इससे जनता में असंतोष बढ़ सकता है।

जबकि अन्य आरोपों से उन्हें बरी कर दिया गया। अदालत ने ताहिर हुसैन की सजा की अवधि पर दलीलें सुनने के लिए आगामी 16 नवंबर की तारीख तय की है। मामले का विस्तृत आदेश आना अभी बाकी है। इस मामले में कुल 13 आरोपी बनाए गए थे, जिनमें ताहिर हुसैन के अलावा मोहम्मद शादाब, शाह आलम, रियासत अली, गुलाफम, राशिद, मोहम्मद रिहान, मोहम्मद आबिद, अरशद कयूम, इशराद अहमद, दीपक सिंह सैनी, नवनील और महक सिंह शामिल थे। इन सभी पर दंगा करने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने,

जाना सरकार के डर को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानते हैं कि चुनावों में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं और सरकार लोकतांत्रिक विरोध को दबाने का प्रयास कर रही है। केजरीवाल ने इस कार्रवाई की तुलना आपातकाल से भी बदतर स्थिति से करते हुए सरकार की आलोचना की। उनके बयान का केंद्र विरोध प्रदर्शन करने वाले राजनीतिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने और असहमति व्यक्त करने के अधिकार का मुद्दा रहा।

कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने का दावा

रिपोर्ट के अनुसार, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली आ रहे या अपने घरों से निकल चुके कई

कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया है। पार्टी से जुड़े अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरभ दास के अतिरिक्त कुछ अन्य कार्यकर्ताओं के विरुद्ध भी कार्रवाई किए जाने की जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट में सामाजिक माध्यमों पर चर्चित ध्रुव राठी और पार्टी से जुड़ी रत्नो पाठक को भी हिरासत में लिए जाने का उल्लेख किया गया है। इन सभी मामलों में हिरासत की परिस्थितियों, कानूनी आधार और आगे की कार्रवाई के बारे में आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

चुनावी प्रक्रिया को लेकर बढ़ा राजनीतिक टकराव

मतदाता सूची के विशेष गहन

आजिंक्य शिंदे की अपील, पुलिस जहां रोके वहीं प्रदर्शन करें

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) । कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरभ दास को हिरासत में लिए जाने के बाद आंदोलन की कमान पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी आजिंक्य शिंदे ने संभाल ली है। उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर समर्थकों से जंतर-मंतर की ओर कूच करने की अपील की। शिंदे ने कहा कि यदि पुलिस प्रदर्शनकारियों को रास्ते में रोकती है, तो वे उसी स्थान पर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

शिंदे ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पहुंचने से रोकने के लिए रेलगाड़ियों और बसों की आवाजाही प्रभावित की गई तथा कई लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने इसे सरकार की चिंता का संकेत बताते हुए समर्थकों से आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। हालाँकि, परिवहन सेवाओं पर लगाई गई पाबंदियों और हिरासत की कार्रवाई के संबंध में संबंधित अधिकारियों का विस्तृत पक्ष सामने आना महत्वपूर्ण है।

'ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक जारी रहेगी लड़ाई' आजिंक्य शिंदे ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके, सह संयोजक आशुतोष रांका और सौरभ दास को हिरासत में लिया जा चुका है। इसके बावजूद आंदोलन को रोकना नहीं जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में लोगों की भागीदारी रोकने के लिए व्यापक कदम उठाए गए हैं। शिंदे ने कहा कि पार्टी की मांग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से जुड़ी है और इसी उद्देश्य से समर्थक दिल्ली में जुटना चाहते हैं।

हर्ष मल्होत्रा ने किया राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ



नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता) । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को दिल्ली स्थित एसआर कैपिटल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भारतीय शिक्षा बोर्ड की द्वितीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता 2026–27 के पांचवें चरण की राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी अपनी बौद्धिक क्षमता, एकाग्रता और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता 10 और 11 अक्टूबर को आयोजित की जा रही है।

आयोजकों के अनुसार, भारतीय शिक्षा बोर्ड की द्वितीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में आठ राज्यों के 35 विद्यालयों से लगभग एक हजार खिलाड़ियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के विभिन्न चरण हरिद्वार, वाराणसी, प्रयागराज, बृहदशहर, दिल्ली और हापुड़ में आयोजित किए गए हैं। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला है।

इस अवसर पर हर्ष मल्होत्रा ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भारतीय शिक्षा बोर्ड के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने शतरंज जैसे बौद्धिक खेलों के महत्व पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, खेल भावना और निरंतर अभ्यास के साथ अगर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

एसआर कैपिटल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य लक्ष्य छाबड़िया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शतरंज की जड़ें भारत की प्राचीन चतुरंग परंपरा में निहित हैं। यह खेल भारतीय ज्ञान परंपरा और बौद्धिक उत्कृष्टता का प्रतीक है। ऐसी राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि सक्षम, संस्कारवान, आविश्कारी और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक तैयार करना है, जो अपने ज्ञान, कौशल और चरित्र के बल पर विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सकें। उल्लेखनीय है कि भारतीय शिक्षा बोर्ड राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और आधुनिक शिक्षा के समन्वय से विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में कार्य कर रहा है।

दिल्ली पुलिस के खिलाफ कोर्ट पहुंचीं सीजेपी की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह

दिल्ली (वेब वार्ता)

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह ने दिल्ली कोर्ट में अर्जी देकर पुलिसवालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है, जिन्होंने उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रोटेस्ट में जाने से गलत तरीके से रोका था। जानकारी के अनुसार,



था। प्रदर्शन का मुद्दा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी रस्क को लेकर उठाए जा रहे सवाल और

चुनाव आयोग की जवाबदेही है। प्रदर्शनकारियों की मांगों में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आयोजकों ने 7 अक्टूबर को अनुमति के लिए आवेदन किया था, जबकि इस तरह के प्रदर्शन के लिए कम-से-कम 10 दिन पहले आवेदन किया जाना चाहिए। पुलिस ने पहले के प्रदर्शनों के दौरान तय शर्तों के कथित उल्लंघन, कानून-व्यवस्था, सार्वजनिक सुरक्षा और यातायात बाधित होने की आशंका को भी अनुमति नहीं देने की वजह बताया।

अब आगे क्या?

ममता बनर्जी के धरने के एलान और सांसदों को हिरासत में लिए जाने के दावे के बाद इस घटनाक्रम पर राजनीतिक नजरें टिकी हैं। आने वाले समय में पुलिस की ओर से हिरासत में लिए गए नेताओं की स्थिति और उन्हें थाने लाए जाने की परिस्थितियों पर आधिकारिक जानकारी महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल, सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था और राजनीतिक बयानबाजी दोनों जारी हैं।

संक्षिप्तवार्ता

देवरिया में कलयुगी बेटे ने पिता को पीट-पीट कर मार डाला

वेब वार्ता, देवरिया

देवरिया जिले के सुरौली क्षेत्र में शुक्रवार की शाम एक कलयुगी बेटे ने शराब के लिए पैसा न देने पर अपने पिता की लकड़ी के मुगड़े से पीट-पीट कर हत्या कर दी।पुलिस क्षेत्राधिकारी बरहज रंजना सचान ने यहां बताया कि आज शाम छह बजे क्षेत्र के बेहरावां गांव में सुनील उर्फ सन्तु पुत्र रामअवतार राय ने अपने पिता रामअवतार राय पुत्र स्वर्गीय हरिद्वार राय से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पिता द्वारा पैसा न देने पर बेटे ने लकड़ी के मुगड़े से सिर पर वार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि परिजनों की सूचना पर घायल को तत्काल एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज देवरिया भिजवाया गया। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी हाउस में रखवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत डीएम व एसपी ने नेपाल सीमा पर की पीस कमेटी बैठक

वेब वार्ता, बहराइच

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा आगामी त्योहारों नवरात्र, दुर्गा पूजा एवं दशहरा आदि के दृष्टिगत थाना रुपईडीहा परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी, क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम, एसएसबी कमांडेंट सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी तथा क्षेत्र के संप्रभांत व्यक्ति, ग्राम प्रधान एवं बीडीसी सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु उपस्थित सभी लोगों से आपसी खोलाई एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही धार्मिक आयोजनों एवं जुलूसों के दौरान निर्धारित मार्ग एवं समय का पालन करने तथा किसी भी नई परंपरा की शुरुआत न करने की अपील की गई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित कराने तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

ऐशबाग स्टेशन पर भगदड़ में राहत के लिए अभ्यास किया

लखनऊ, 10 अक्टूबर (वेब वार्ता)। ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर शनिवार को मॉक ड्रिल के दौरान फुट ओवरब्रिज (एफओबी) पर भगदड़ मचने से घायल यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने अभ्यास किया। आरपीएफ, जीआरपी,रेलवे मेडिकल टीम, एनडीआरएफ, अग्निशमन विभाग सहित लोकल पुलिस की टीम अभ्यास में शामिल रही। दोपहर 12 बजे कंट्रोल रूम से ऐशबाग स्टेशन पर भगदड़ की सूचना प्रसारित की गई। इसके बाद आरपीएफ थाना ऐशबाग निरीक्षक देवेंद्र प्रताप अधिकरम उपलब्ध स्टाफ और आपदा प्रबंधन उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सूचना देते हुए राहत कार्य शुरू कराया।रेलवे मेडिकल विभाग की टीम ने डॉक्टर संजय तिवारी के नेतृत्व में घायलों को प्राथमिक सहायता दी। इसके बाद घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भेजने का अभ्यास किया गया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2026 पर जागरुकता कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

वेब वार्ता, कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज एवं लाला लाजपत राय चिकित्सालय, कानपुर के मनोचिकित्सा विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस– 2026 के अवसर पर विभिन्न जागरुकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभरंभ मुख्य अतिथि डॉ. संजय काला, प्राचार्य एवं डीन, जीएसवीएम मेडिकल कालेज ने किया। इस वर्ष की थीम एक्सपीरियंस हिडज : रियल चेंज (अनुभवों को सुनें : वास्तविक आवाजें, वास्तविक बदलाव) रही। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति

जागरुकता बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा रहे व्यक्तियों के अनुभवों को महत्व देना तथा समाज में संवेदनशीलता, समवेशिता और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर डॉ. संजय काला ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, समग्र स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है और इसे शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने मानसिक रोगों के प्रति सामाजिक कलंक दूर करने, समय पर उपचार लेने तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक एवं संवेदनशील समाज के निर्माण की

कुशीनगर में घरेलू जमीन विवाद में एक व्यक्ति की गला रेत कर हत्या



वेब वार्ता, कुशीनगर।कुशीनगर जिले के पडरौना कोतवाली थाना क्षेत्र के जंगल जगदीशपुर गांव के मदर हवा टोले में शनिवार सुबह घरेलू जमीन विवाद में 50 वर्षीय ओमप्रकाश राजभर की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची उनकी दूसरी पत्नी अंकिता भी घायल हो गई।उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उक्त सूचना पुलिस ने दी है।

पुलिस के अनुसार जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के गांव के जंगल जगदीशपुर टोला मदरहवा में शनिवार सुबह करीब छह बजे घरेलू जमीन पर कब्जे को लेकर हुए विवाद में 50 वर्षीय ओमप्रकाश राजभर की गला रेतकर हत्या कर दी गई। हमले में उनकी दूसरी पत्नी अंकिता भी गंभीर रूप से घायल हो गई।

सूत्र बताते हैं कि ओमप्रकाश बार-बार जमीन बेच रहे थे। शनिवार सुबह वह अपने हिस्से की जमीन पर कब्जा करने पहुंचे थे। इसी दौरान विवाद हो गया और उन पर बारदार हथियार से हमला कर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घायल अंकिता को अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष संजय दूबे ने बताया कि आरोपी उर्मिला की गिरफ्तारी नहीं हुई है।उसकी तलाश की जा रही है। उर्मिला ओम प्रकाश की पहली पत्न ी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हरदोई के वरिष्ठ पत्रकार पीके गुप्ता बबलू के जन्मदिन पर उमड़ा बधाइयों का सैलाब

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई (वेबवार्ता)। वरिष्ठ पत्रकार, राष्ट्रीय शांति न्यूज के संस्थापक एवं अखिल भारतीय संयुक्त मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री पूर्ण कुमार गुप्ता बबलू के जन्मदिन पर बधाइयों और शुभकामनाओं का सिलसिला देखने को मिला। इस अवसर पर अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद के पदाधिकारियों ने उनके लखनऊ रोड स्थित निज आवास पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता



शिव सेवक गुप्त जय शिव के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने पूर्ण कुमार गुप्ता बबलू को माला पहनाकर सम्मानित किया तथा लड्डू खिलाकर जन्मदिन की खुशियां साझा की। इस दौरान सभी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए महाकाल से

देवरिया में करोड़ों रुपए के ठेके के लिए बवाल

देवरिया, 10 अक्टूबर । देवरिया

जिले की पथरदेवा नगर पंचायत में करीब वार करोड़ रुपये के विकास कार्यों के टेंडर पर कब्जे को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि अधिशासी अधिकारी (ईओ) हिमांशु प्रताप सिंह के अपहरण की कोशिश और मारपीट तक की नीबत आ गई। इस मामले में तरकुलवा पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि आठ अक्टूबर की रात पथरदेवा चौराहे पर ठेकेदार धीरज सिंह और उसके साथियों ने ईओ हिमांशु प्रताप सिंह को जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश की। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई, जिससे वह घायल होकर बेहोश हो गए।

अध्यक्ष की तहरीर पर पुलिस ने धीरज सिंह, करुणेश, विकास, निलेश शुक्ला और विवेक दुबे समेत पांच नामजद और 12 अज्ञात कुल 17 लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 352, 115(2), 190, 110 और 351(3) के तहत केस दर्ज किया है।

शहर के चिह्नित ठिकानों पर आबकारी का छापा, छह महिलाओं पर मुकदमा दर्ज

मीडिया में लगातार उठता रहा अवैध कच्ची शराब की बिक्री का मुद्दा

वेब वार्ता, आलाोक चतुर्वेदी

ललितपुर। शहर में अवैध कच्ची शराब की बिक्री को लेकर लगातार उठते रहे सवालों के बीच आबकारी विभाग ने शनिवार को फिर कार्रवाई की। जिलाधिकारी के निर्देशन और जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी टीम ने शहर के अंदर और आसपास के सात चिह्नित स्थानों पर दबिश देकर छह महिलाओं को गिरफ्तार किया। मौके से कुल 70 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।

आबकारी विभाग के अनुसार, दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को चलाए गए अभियान के तहत टीम ने अम्बोसिया कॉलोनी के पास, बिजली पावर हाउस के निकट, इलाइट चौराहा, मसौरा बैरियर, गोविंद सागर बांध, सिद्धान मैदान और मंडी क्षेत्र में छापेमारी की। इन स्थानों पर कथित रूप से कच्ची शराब बेच रही छह महिलाओं को पकड़ा गया। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान रुपाली, तिलखा, कमला निवासी मोमाफनी, रामवती, वैष्णवी और मोनिका निवासी चौरा के रूप में बताई गई है। इनके कब्जे से 70 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई।

शहर के इन स्थानों पर अवैध कच्ची शराब की बिक्री का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में रहा है। मीडिया द्वारा भी इन



ठिकानों पर सुबह से शाम तक कथित रूप से जारी शराब की बिक्री को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित की जाती रही हैं। पूर्व में हंसुबह हो या शाम, यहां दिनभर चलते हैं अवैध शराब के जामहू शोर्षक से भी इस समस्या को प्रमुखता से उठाया गया था। इसके बावजूद इन स्थानों पर अवैध शराब की बिक्री को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

ऐसे में शनिवार को आबकारी विभाग की ओर से की गई कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, इन ठिकानों पर अवैध शराब के कारोबार पर स्थायी रूप से अंकुश लगाने के लिए नियमित निगरानी और निरंतर कार्रवाई की जरूरत बनी हुई है। अब देखना होगा कि विभाग की यह कार्रवाई अवैध बिक्री पर कितना प्रभावी नियंत्रण लगा पाती है।

दिल्ली प्रदर्शन से पहले हरदोई में सियासी हलचल तेज



वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। दिल्ली में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले हरदोई में राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के नेता रामझान गुप्ता के आवास पर बीती देर रात पुलिस के पहुंचने से राजनीति गलियारों में चचाओं का दौर शुरू हो गया। बताया गया कि राधानगर चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ उनके घर पहुंचे और देर रात तक पुलिसकर्मि वहां मौजूद रहे। इस घटनाक्रम को दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन से जोड़कर देखा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले पुलिस बल रामझान गुप्ता के आवास पर पहुंचा। सपा नेता का आरोप है कि पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य उन्हें दिल्ली जाने से रोकना था। हालांकि, पुलिस की ओर से कार्रवाई के उद्देश्य को लेकर आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

सपा नेता रामझान गुप्ता के आवास पर बीती देर रात पुलिस के पहुंचने से राजनीति गलियारों में चचाओं का दौर शुरू हो गया। बताया गया कि राधानगर चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ उनके घर पहुंचे और देर रात तक पुलिसकर्मि वहां मौजूद रहे। इस घटनाक्रम को दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन से जोड़कर देखा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले पुलिस बल रामझान गुप्ता के आवास पर पहुंचा। सपा नेता का आरोप है कि पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य उन्हें दिल्ली जाने से रोकना था। हालांकि, पुलिस की ओर से कार्रवाई के उद्देश्य को लेकर आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

सपा नेता के आवास पर देर रात पुलिस की मौजूदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या पुलिस को दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर कोई विशेष सूचना मिली थी या यह कार्रवाई एहतियातन की गई थी? फिलहाल, इन सवालों पर पुलिस का आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

सपा नेता के आवास पर देर रात पुलिस की मौजूदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या पुलिस को दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर कोई विशेष सूचना मिली थी या यह कार्रवाई एहतियातन की गई थी? फिलहाल, इन सवालों पर पुलिस का आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

श्री यादव ने तंज कसते हुए कहा कि लगभग हर गांव में शराब की दुकाने हैं, लेकिन प्राइमरी स्कूल बंद हैं। उन्होंने कहा कि ये रूढ़िवादी लोग हैं, ये वर्चस्व वाले लोग हैं। ये नहीं चाहते कि समाज के लोग पढ़े-लिखे और जागरूक हों। ये नहीं चाहते कि पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक मुसलमान भाइयों के परिवार के बच्चे पढ़े-लिखें।

भाजपा पर तंज कसते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि जो सर्वे और रिपोर्ट आ रही हैं। उससे साफ है कि भारतीय जनता पार्टी बड़े पैमाने पर अपने मौजूदा विधायकों के टिकट काटने जा रही है। भाजपा में अंदरूनी घमासान मचा है और उनके नेता ही एक-दूसरे के टिकट कटवाने में लगे हैं। जनता सब देख रही है और आने वाले चुनाव में इसका जवाब देगी।

किया जा रहा है। इससे पहले कलेक्ट्रेट गेट पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन को लेकर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़क हुई, पुलिस द्वारा की गई धक्का मुक्का में दो लोग चोटिल भी हुए। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञानेन के माध्यम से ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से तुरन् हटाने, एसआईआर प्रक्रिया रद्द करने मतदाता सूचियों से गलत तरीके से बाहर किए गए सभी लोगों के मतदान अधिकार बहाल किए जाने सहित आधा दर्जन मांगों को उजागर किया गया है

वेब वार्ता, कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज एवं लाला लाजपत राय चिकित्सालय, कानपुर के मनोचिकित्सा विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस– 2026 के अवसर पर विभिन्न जागरुकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभरंभ मुख्य अतिथि डॉ. संजय काला, प्राचार्य एवं डीन, जीएसवीएम मेडिकल कालेज ने किया। इस वर्ष की थीम एक्सपीरियंस हिडज : रियल चेंज (अनुभवों को सुनें : वास्तविक आवाजें, वास्तविक बदलाव) रही। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति

जागरुकता बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा रहे व्यक्तियों के अनुभवों को महत्व देना तथा समाज में संवेदनशीलता, समवेशिता और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर डॉ. संजय काला ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, समग्र स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है और इसे शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने मानसिक रोगों के प्रति सामाजिक कलंक दूर करने, समय पर उपचार लेने तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक एवं संवेदनशील समाज के निर्माण की



आवश्यकता पर बल दिया। मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय चौधरी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,

प्रकाश डालते हुए कहा कि लंबे समय तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में रोगियों के व्यक्तिगत अनुभवों को अपेक्षित महत्व नहीं दिया जाता था। वर्तमान में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा रहे व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों, उनकी चुनौतियों और उपचार संबंधी आवश्यकताओं को समझने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रोगियों के वास्तविक अनुभवों को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार संबंधी नीतियों और देखभाल की योजनाओं में शामिल करना आवश्यक है, ताकि उपचार अधिक प्रभावी, संवेदनशील और रोगी-केंद्रित बनाया जा सके। उन्होंने

इस बात पर बल दिया कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में रोगियों की सक्रिय भागीदारी से उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर उपचार एवं पुनर्वास की योजनाएँ तैयार की जा सकती है। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों में डॉ. मधुकर कटियार, विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा विभाग, रामा मेडिकल कॉलेज, कानपुर, डॉ. मनोष निगम, वरिष्ठ मनोचिकित्सक रहे। विशिष्ट अतिथि वक्ताओं के रूप में डॉ. एम. अलीमसिद्दीकी, प्रो. एवंविभागाध्यक्ष, एरा मेडिकल कॉलेज, लखनऊ तथा डॉ. शाजिया वकार सिद्दीकी, वरिष्ठ विलनिकल साइकोलॉजिस्ट ने सहभागिता की।

इस बात पर बल दिया कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में रोगियों की सक्रिय भागीदारी से उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर उपचार एवं पुनर्वास की योजनाएँ तैयार की जा सकती है। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों में डॉ. मधुकर कटियार, विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा विभाग, रामा मेडिकल कॉलेज, कानपुर, डॉ. मनोष निगम, वरिष्ठ मनोचिकित्सक रहे। विशिष्ट अतिथि वक्ताओं के रूप में डॉ. एम. अलीमसिद्दीकी, प्रो. एवंविभागाध्यक्ष, एरा मेडिकल कॉलेज, लखनऊ तथा डॉ. शाजिया वकार सिद्दीकी, वरिष्ठ विलनिकल साइकोलॉजिस्ट ने सहभागिता की।

देवरिया मेडिकल कॉलेज बना इलाज का प्रमुख केंद्र, बिहार के मरीजों को भी लाभ

वेब वार्ता, देवरिया

देवरिया जिले में प्रदेश सरकार द्वारा जनपद देवरिया में 238.74 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2021 में स्थापना के बाद से ही यह मेडिकल कॉलेज विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से आमजन को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। इसका लाभ जनपद देवरिया सहित आसपास के

जिलों तथा बिहार प्रदेश के सीमावर्ती जनपदों के लोगों को भी मिल रहा है।

मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और बेहतर उपचार व्यवस्था के प्रति मरीजों एवं उनके परिजनों का भरोसा बढ़ा है। गंभीर बीमारियों की स्थिति में भी मरीज यहां इलाज कराने पहुंच रहे हैं। सरकार द्वारा स्थापित यह मेडिकल कॉलेज देवरिया के साथ-साथ आसपास के जनपदों के लोगों के लिए चिकित्सा सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है।

चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही यह महाविद्यालय एमबीबीएस के विद्यार्थियों की पढ़ाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रथम बैच के उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने 99 प्रतिशत सफलता प्राप्त कर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उपलब्धि से संस्थान की पहचान को मजबूत किया है। इस प्रकार महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सा सेवाओं और शिक्षा, दोनों क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पुतला फूकने को लेकर वामपंथियों की पुलिस से तीखी झड़प

मुरावाबाद/वेब वार्ता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करो – एसआईआर पर रोक लगाओ एवं अवैध रूप से काटे गये लोगों के वोट बहाल करो, आदि नारों के साथ जिला मुरादाबाद के मजदूरों, किसानों और खेत मजदूरों के जनसंगठनों के तमाम कार्यकर्ताओं द्वारा स्थानीय डॉ अंबेडकर पार्क सिविल लाइन से कचहरी जिलाधिकारी कार्यालय तक शांति मार्च का आयोजन किया गया और राष्ट्रपति को संबोधित जापन सोपा



विश्वसनीयता को लेकर भी गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं, जो मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं क्योंकि ज्ञानेश कुमार के काम करने के

तरीके से इस पद की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है। जो निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली तथा सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के बुनियादी



लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा से जुड़ा हुआ है। [निश्चित रूप से ज्ञानेश कुमार की एकाधिकार, अपारदर्शी और केंद्रीकृत नियंत्रण वाली प्रक्रियाओं के कारण चुनाव व्यवस्था

में जनता का विश्वास कमजोर हुआ है, क्योंकि रक्म लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट करने की एक राजनीतिक साजिश है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

महत्वपूर्ण ख़बर

अब एम-8 कार्बाइन से लैस होंगे अमेरिकी सैनिक

■ वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने अपने हथियार बेड़े में एक बड़ा और चौकाने वाला बदलाव किया है। महज तीन साल और पचास हजार एम7 राइफलों की डिलीवरी के बाद, सेना ने इसे हटाने और इसकी जगह नई, अत्याधुनिक एम 8 कार्बाइन को शामिल करने का फैसला किया है। सैनिकों द्वारा एम 7 के वजन और लंबाई को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद, यह कदम उठाया गया है। हथियार निर्माता सिग सॉयर द्वारा विकसित यह नई कार्बाइन एम 7 से लगभग आधा किलोग्राम हल्की और साढ़े तीन इंच छेटी है, जिससे सैनिकों को युद्ध के मैदान में और ट्रेनिंग के दौरान काफी सहूलियत मिलेगी।

हवेलियों और बावड़ियों का ऐतिहासिक शहर है राजस्थान का बूंदी



जयपुर। राजस्थान के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों से अलग बूंदी शहर अपनी ऐतिहासिक विरासत, शांत वातावरण और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण खास पहचान रखता है। नीली दीवारों वाले पारंपरिक मकान, पुरानी हवेलियां, भव्य महल और पथरों से तराशी गई बावड़ियां बूंदी की ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाती हैं। अरावली की पहाड़ियों के बीच बसा यह शहर अक्टूबर के सुहावने मौसम में घूमने के लिए बेहतर विकल्प बन जाता है। कम बजट में तीन दिन की यात्रा को योजना

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में अदालत की अवमानना की याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अधिकारियों ने 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश का उल्लंघन किया। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्षी दलों की ओर से घोषित किया गया था।



याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि न्यायालय के निदेशों के बावजूद दिल्ली में मेट्रो सेवाओं और अन्य सार्वजनिक परिवहन पर प्रतिबंध जारी रखे गए, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। याचिका वकील शैलेंद्र मणि

मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन पर प्रतिबंध को लेकर दवाव

याचिकाकर्ता का दावा है कि सुप्रीम कोर्ट ने 9 अक्टूबर के आदेश में स्पष्ट किया था कि 10 अक्टूबर को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों से निपटने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए। इसके बावजूद मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने और ट्रेन सेवाओं को रद्द करने जैसे कदम उठाए गए।

त्रिपाठी की ओर से दायर की गई है। इसमें केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) की अध्यक्ष डी. थारा के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों ने न्यायालय के निदेशों की कथित तौर पर जानबूझकर अवहेलना की। याचिकाकर्ता ने इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाई करने का अनुरोध किया है।

याचिका के अनुसार, अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हुए सार्वजनिक परिवहन का संचालन इस तरह सुनिश्चित करना चाहिए था, जिससे दिल्ली के आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो।

जनजीवन प्रभावित होने का दावा

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि परिवहन सेवाओं पर लगातार पाबंदियों के कारण राष्ट्रीय राजधानी में जनजीवन प्रभावित हुआ और यात्रियों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। याचिका में यह भी कहा गया है कि यातायात

और परिवहन से संबंधित स्पष्ट एवं पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई।

याचिकाकर्ता का तर्क है कि न्यायालय के आदेश और अदालत में दिए गए आश्वासनों के बावजूद यदि प्रतिबंध जारी रखे गए, तो यह न्यायिक निदेशों की अवहेलना का मामला हो सकता है।

फिलहाल, याचिका में लगाए गए आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष और न्यायालय की आगे की कार्यवाई महत्वपूर्ण होगी। याचिका दायर होने मात्र से अवमानना साबित नहीं होती; इस पर अंतिम निर्णय न्यायालय करेगा।

कैंसर की दवाएं होंगी सस्ती, मरीजों को सालाना 2500 करोड़ की बचत



की कीमत 20 से 70 प्रतिशत तक घट सकती है और मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। हालांकि, अभी सभी कैंसर दवाओं की कीमतें एक साथ कम नहीं होंगी। यह फैसला सिर्फ उन कैंसर दवाओं पर लागू होगा, जिन्हें

दवाएं भी शामिल हो सकती हैं। सरकार का मकसद कैंसर के इलाज का खर्च कम करना और दवाओं की कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाना है। दरअसल, व्यापारिक मार्जिन वह अंतर होता है जो दवा निर्माता से निकलकर वितरक और दुकानदार के जरिए मरीज तक पहुंचती है तो बीच की कड़ियों पर कमाई का हिस्सा जुड़ता है। एनपीपीए के अनुमान के मुताबिक, गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं में औसत व्यापारिक मार्जिन करीब 170 प्रतिशत तक पाया गया है, जबकि कुछ मामलों में यह 700 प्रतिशत तक होने का अनुमान है। नई व्यवस्था का उद्देश्य इसी तरह के ऊंचे मार्जिन पर लगाम लगाना है। एनपीपीए का आकलन है कि इस फैसले से दवाओं की अधिकतम खुरदरा कीमत में काफी कमी आ

सकती है। भारतीय कैंसर दवाओं का बाजार करीब 12,500 करोड़ रुपए सालाना का बताया गया है, जिसमें गैर-अनुसूचित दवाओं की बड़ी हिस्सेदारी है। यह पहली बार नहीं है जब सरकार ने ऐसा कदम उठाया है। एनपीपीए ने इससे पहले 2019 में भी 42 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन को नियंत्रित किया था। उस समय इस कदम से 526 ब्रांड की कीमतों में कमी आई थी और कुछ ब्रांड की एमआरपी में 91 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई थी, जिससे सालाना करीब 984 करोड़ रुपए की बचत का अनुमान लगाया गया था। यह नया प्रस्ताव उसी तरह की पहल का अगला कदम माना जा रहा है। कैंसर की दवाओं की ऊंची कीमतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी चिंता जता चुका है।

थोड़ी ताली और बजाएं, ताकि मैं ट्रंप के साथ नोबेल बांट लूं!

भारतीय मूल की पिल्लई ने उड़ाया ट्रंप का मजाक

ओस्लो फ़ोर्ड। नॉर्वे की नोबेल समिति ने इस साल यानी 2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार प्रमुख रही भारतीय मूल की नवनेशन नवी पिल्लई को विजेता घोषित कर दिया है। 85 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी कानून विशेषज्ञ पिल्लई को शांति और अंतर्राष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने की उनकी कोशिशों के लिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया गया है। पुरस्कार मिलने के बाद, तमिल मूल की पिल्लई ने ट्रंप को लेकर एक चुटीला मजाक किया। एमनेस्टी इंटरनेशनल के महासचिव द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में उन्होंने कहा, अगर आप थोड़ी और तालियां बजाएं तो हो सकता है कि मैं यह पुरस्कार ट्रंप के साथ बांट लूं! इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वकील की पोस्ट शेयर की जिसमें



पिल्लई को नफरत करने वाला कहा गया और कहा गया कि इस पुरस्कार का अपमान हुआ है। ट्रंप ने पहले भी कहा था कि उन्हें पुरस्कार मिलने की संभावना कम है, लेकिन बुधवार को उन्होंने फिर कहा कि उन्हें यह पुरस्कार किसी न किसी तरह पहले ही मिल

चुका है। उन्होंने अपने कार्यालय में पत्रकारों से कहा, पिछली बार इसे पाने वाले व्यक्ति से अप्रत्यक्ष रूप से इसे प्राप्त करके मुझे बहुत सम्मान महसूस हुआ। वह 2025 की विजेता वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो का जिक्र कर रहे थे। हालांकि, नोबेल कमिटी ने स्पष्ट किया है कि एक बार पुरस्कार दिए जाने के बाद उसे न तो किसी और को सौंपा जा सकता है और न ही बांट जा सकता है।

समिति के चेयरमैन जॉर्गेन वाट्ने फ्राइडनेसे ने नॉर्वे के ओस्लो में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि पिल्लई ने युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ अपराधों और नरसंहार के मामलों में मुकदमा चलाने को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है।

इंडिया ब्लॉक का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति से मिला

नई दिल्ली। कथित वोट चोरी के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक का 10 सदस्यी प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से शुक्रवार देर शाम को मिला। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैलेट पेपर से चुनव कराने की मांग भी की।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और तुण्णूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के नेतृत्व में

विपक्षी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार शाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचा। इंडिया ब्लॉक के डेलीगेशन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले संसद भवन से मार्च निकाल रहे विपक्षी गठबंधन इंडिया के अन्य सांसदों को पुलिस ने विजय चौक पर रोक दिया था। राष्ट्रपति भवन को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम पहले ही भेज दिए गए थे।

प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति मुर्मू को कथित वोट चोरी के मुद्दे पर ज्ञापन सौंपने के लिए गया था। खरगे, राहुल गांधी और ममता बनर्जी के अलावा



प्रतिनिधिमंडल में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज वास्ते, वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन, इंडियन यूनियन

मुस्लिम लीग के ईटी मोहम्मद बशीर, माकपा महासचिव एमए बेबी और भाकपा के डी राजा भी शामिल थे।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्षी दलों के सांसदों में राष्ट्रपति भवन के लिए शुक्रवार की रात लोकतंत्र बचाओइ मार्च निकाला। इससे पहले इंडिया गठबंधन के सांसद संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में एकत्र हुए। यहां उन्होंने कथित वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन को आगे बढ़ाने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर अपनी रणनीति पर चर्चा की।

राष्ट्रपति ने मांगे वोट चोरी के सबूत

खड़गे ने कहाकि हमने वोट चोरी के तले में राष्ट्रपति जी को बताया है। जहां-जहां वोट चोरी हुई

है। राष्ट्रपति ने उसके सबूत मांगे हैं, वो हम जुटा रहे हैं। सभी जानकारी हम देंगे। राष्ट्रपति जी ने जनता की आवाज सुनी है। ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं।

इस बीच प्रियंका का की सुरक्षाकर्मियों से बहस हुई। वे बाकी सांसदों के साथ विजय चौक पर सड़क पर बैठ गईं। उल्लेखनीय है कि विपक्षी सांसदों ने पिछले 4 दिनों में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ तीसरा मार्च निकाला है। इससे पहले 6 अक्टूबर को सेव डेमोक्रेसी मार्च निकाला था। फिर 7 मार्च को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए गए थे। 8 अक्टूबर को कर्नाट प्लेस से राजघाट तक मार्च निकाला था।

चारों प्रांतों को तोड़कर छोटे राज्य बनाने जा रहे मुनीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का राजनीतिक नक्शा जल्द ही एक बड़े बदलाव से गुजर सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर का पूरा ध्यान देश के मौजूदा चारों प्रांतों को तोड़ने पर केंद्रित है। फिलहाल, पाकिस्तान में पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान ये चार प्रांत हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन चारों प्रांतों को तोड़कर 12 से 15 छोटे प्रांत या फिर 160 छोटे-छोटे राज्य बनाने की एक व्यापक योजना पर काम चल रहा है, हालांकि अंतिम योजना पर अभी मुहर नहीं लगी है।

मस्क के सवाल पर राहुल गांधी का जबाब.....दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिनक को लाइसेंस नहीं मिलने पर सवाल उठा दिए हैं। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूछा कि जब स्टारलिनक को दुनिया के 165 से ज्यादा देशों में सेवाएं देने की अनुमति मिल चुकी है, तब भारत में अब तक लाइसेंस क्यों नहीं मिला।



ने धन्यवाद देकर कहा कि यह स्थिति वाकई परेशान करने वाली है। मस्क इससे पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में कुछ बड़े कारोबारी स्टारलिनक की एंटी में बाधा डालकर बाजार पर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। सरकार का कहना है कि भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाओं के लिए निर्धारित नियम सभी कंपनियों पर समान रूप से लागू होते हैं। नियमों का इस्तेमाल किसी कंपनी के साथ भेदभाव करने के लिए नहीं किया जा रहा है। केंद्र सरकार के मुताबिक, संबंधित कंपनियों की सुरक्षा समीक्षा की प्रक्रिया चल रही है। जिस कंपनी की सुरक्षा जांच पूरी होगी, वह अगले चरण में स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए आवेदन कर सकेगी। स्टारलिनक की भारत में एंटी को लेकर लाइसेंस और नियामकों मंजूरी का मुद्दा तब उठा है, जब देश में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है।

भारत को धमकाने वाला अमेरिका खुद रूस से तेल खरीदेगा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़े नीतिगत बदलाव का ऐलान करते हुए कहा है कि अमेरिका रूस से डीजल खरीदेगा। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में मध्यावधि चुनाव सिर पर हैं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ट्रंप प्रशासन पर दबाव बढ़ रहा है। होर्मुज जलसंधि के बंद होने से भी वैश्विक तेल आपूर्ति में बाधाएं आई हैं। अभी तक, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन रूसी तेल खरीद के लिए भारत और चीन जैसे देशों पर टैरिफ लगाने वाले बिलों पर हस्ताक्षर करना आया है, लेकिन अब उन्होंने अगले तीन महीने रूसी डीजल को अमेरिकी और वैश्विक बाजार में आने



देने के लिए एक समझौता किया है। शनिवार को सोशल मीडिया

उन्होंने लिखा, अभी-अभी रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक बहुत सफल बातचीत पूरी की है। इसमें तय हुआ है कि रूस तुरंत अमेरिकी और ग्लोबल मार्केट में 3,00,000 टन से ज्यादा डीजल फ्यूल सप्लाई करेगा, नवंबर के महीने में 5,00,000 टन और सप्लाई करेगा, इसके बाद अपनी डीजल रिफाइनरीज की स्थिति के आधार पर रूस कुछ ही समय में 30,00,000 टन डीजल फ्यूल और सप्लाई करेगा। ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब ईरान युद्ध की वजह से वैश्विक बाजार में लगातार तेल की कीमतें

आसमान छू रही हैं, जिससे दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है। अमेरिका भी इससे अछूता नहीं है। ट्रंप ने रूस के साथ इस डील के लिए नवंबर तक का समय निश्चित किया है, जो अमेरिका में मध्यावधि चुनावों का समय है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि होर्मुज पर नियंत्रण और रूस के साथ इस एनर्जी डील के बाद पूरी दुनिया और अमेरिका में तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर कम होंगी। उन्होंने कहा, अमेरिकियों, खासकर हमारे महान किसानों, पशुपालकों और ट्रक ड्राइवर्स के लिए कीमतें कम करना मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

जूडो सिखाता है साहस, आत्मसंयम और अनुशासन का पाठ: राज्यपाल डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि जूडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि साहस, आत्मसंयम, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और संतुलन के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। विशेषकर बालिकाओं के लिए जूडो आत्मरक्षा और मानसिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। राज्यपाल श्री डेका आज सरकंडा स्थित खेल परिसर में 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैंपियनशिप-2026 का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बालक-बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वाधान में बिलासपुर जूडो संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य भर के 16 जिलों से 240 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक भाग ले रहे हैं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि खेल हमें प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना, जीत में विनम्र रहना और हार से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी



भविष्य में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों और ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर आगे बना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभागों के लिए प्रेरणास्रोत राज्यपाल ने कोंडागांव जिले की जूडो खिलाड़ियों की

उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि योगिता मंडावी को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हेमवती नाग ने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स और ओपन नेशनल प्रतियोगिता में पदक हासिल किए हैं। वहीं रंजीता कोरेटी ने ताइवान में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभागों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने जूडो में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले हेमवती नाग, अभिषेक जायसवाल, कुमारी शारदा गोस्वामी और योगिता मंडावी को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों की खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ से खेल प्रतिभागों को प्रोत्साहित करने के प्रयास निरंतर जारी रखने की अपेक्षा की।

चित्रकोट की खूबसूरती और बस्तर की लोक-संस्कृति ने मोहा देशभर से आए अधिकारियों का मन

रायपुर। बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति ने राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल होने आए देशभर के वरिष्ठ अधिकारियों को खासा प्रभावित किया। जगदलपुर में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के समापन के बाद विभिन्न राज्यों से आए अधिकारियों और विशेषज्ञों ने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। इंद्रावती नदी की मनोरम जलधारा और पारंपरिक लोकनृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया। चित्रकोट पहुंचने पर स्थानीय जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक गौर नृत्य से अधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया। गौर साँगों से सुसज्जित मुकुट और कौड़ियों की मालाएं पहने कलाकारों ने मांदर और ढोल की थाप पर आकर्षक प्रस्तुति दी। अधिकारियों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को अपने कैमरों में सहेजा। अधिकारियों ने चित्रकोट जलप्रपात के विभिन्न व्यू-पॉइंट्स से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लिया। उन्होंने बस्तर की लोक-कला, जनजातीय परंपराओं और



प्राकृतिक संपदा की सराहना की। इस दौरान स्थानीय वनोपज और इको-टूरिज्म की सहकारिता के माध्यम से राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बस्तर के आतिथ्य और प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा करते हुए भ्रमण को यादगार बताया। इस अवसर पर भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी, छत्तीसगढ़ शासन के सहकारिता सचिव श्री सी. आर. प्रसन्ना, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा सहित केंद्र एवं विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी और सहकारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

युवा शक्ति की सक्रिय भागीदारी से ही होगा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण : सीएम

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव बेहतरी ने आज राजधानी रायपुर स्थित निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री सुभाषन फेलोशिप के द्वितीय बैच के प्रतिभागियों से परिश्रम और प्रत्येक दायित्व का आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं के सवालों के जवाब दिए और अपने छात्र जीवन, संघर्ष, पारिवारिक जिम्मेदारियों से लेकर जनसेवा और सार्वजनिक जीवन की यात्रा के अनुभव उनके साथ साझा किए। उन्होंने युवा फेलो से कहा कि वे इस अवसर का उपयोग केवल शासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने ज्ञान, कौशल और नवीन विचारों के माध्यम से अपेक्षाओं, सुशासन, शिक्षा, जनजीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास शिक्षा, ऊर्जा, प्रतिभा और नए

विचारों की शक्ति है। जब यही शक्ति जनकल्याण और समाज की सेवा में आज राजधानी रायपुर स्थित निवास कार्यालय में उपयोग केवल शासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने ज्ञान, कौशल और नवीन विचारों के माध्यम से अपेक्षाओं, सुशासन, शिक्षा, जनजीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास शिक्षा, ऊर्जा, प्रतिभा और नए



निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहण सफलता के साथ आत्मसंतुष्टि भी प्रदान करता है। संवाद के दौरान युवा प्रतिभागियों ने मुख्यमंत्री श्री साय से फेलोशिप को लेकर उनकी अपेक्षाओं, सुशासन, शिक्षा, रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक, प्रदेश के विकास में युवाओं की भूमिका और उनके व्यक्तित्व एवं सार्वजनिक जीवन की यात्रा से जुड़े अनेक प्रश्न किए। मुख्यमंत्री ने सभी प्रश्नों का सहजता और आत्मीयता से जवाब दिया।

युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप मिलेगा प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल शैक्षणिक योग्यता तक सीमित न रखते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगारीमुखी कौशल से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एवं कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग मंत्री श्री गुरु खुरवत साहेब मार्गदर्शन में विभाग द्वारा प्रतिष्ठित औद्योगिक एवं प्रशिक्षण संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) की पहल की गई। इन समझौतों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।



गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। चार संस्थाओं के साथ एमओयू से युवाओं को मिलेगा बेहतर प्रशिक्षण दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला 2026 के समापन अवसर पर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से चार संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) की पहल की गई। इन समझौतों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

कंवर समाज ने सांस्कृतिक विरासत को सहेजकर नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत किया अनुकरणीय उदाहरण

करमा तिहार हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्रकृति संरक्षण का प्रतीक : मुख्यमंत्री



रायपुर। करमा तिहार हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपरा, आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने के साथ प्रकृति के संरक्षण, सामाजिक एकता और सामूहिकता का संदेश देता है। बदलते समय के बीच कंवर समाज ने अपनी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और रीति-रिवाजों को सहेजकर नई पीढ़ी के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहना ही किसी समाज की वास्तविक शक्ति है मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने

आज राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ प्रदेश कंवर समाज युवा प्रभाग महानगर इकाई द्वारा आयोजित भव्य करमा परब महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। साय ने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और करमा तिहार की खुशियां समाजजनों के साथ साझा कीं। उन्होंने भादो एकादशी व्रत एवं करमा तिहार की सभी समाजजनों और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कंवर समाज के लिए कोरबा जिले के मड़वारानी में सामाजिक भवन निर्माण

प्रकृति और मानव जीवन के अटूट संबंध का उत्सव है करमा तिहार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि करमा तिहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच अटूट संबंध का उत्सव है। इस पर्व में करम डार की पूजा की जाती है। समाज के बेटे-बेटियां श्रद्धा और आस्था के साथ उपवास रखकर विधि-विधान से करम डार की पूजा-अर्चना करते हैं। रात्रि जागरण में पारंपरिक करमा गीत और नृत्य उत्सव में उल्लास भरते हैं। अगले दिन करम डार के विसर्जन के पश्चात व्रत का पापण किया जाता है। पीढ़ियों से चली आ रही यह परंपरा प्रकृति के प्रति हमारी श्रद्धा, विश्वास और संरक्षण की भावना को अभिव्यक्त करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति को कभी केवल संसाधन नहीं माना, बल्कि आस्था और आत्मीयता का भी है। करमा तिहार जैसी परंपराएं इसी संबंध को पीढ़ी-दर-पीढ़ी मजबूत करती आई हैं।



हेतु 50 लाख रुपए, राजधानी रायपुर के टाटीबंध में सामाजिक भवन के लिए 25 लाख रुपए तथा कांकर के ग्राम जेफरा में सांस्कृतिक मंच के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने राजधानी रायपुर में प्रतिवर्ष करमा महोत्सव के आयोजन के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इस भव्य आयोजन के लिए कंवर समाज युवा प्रभाग और सभी सामाजिक पदाधिकारियों की सराहना की।

संस्कृति के संरक्षण के साथ शिक्षा और सामाजिक सुधार भी जरूरी

मुख्यमंत्री साय ने कंवर समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ शिक्षा और सामाजिक सुधार की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से नशामुक्ति की लेकर समाज के भीतर हो रही सार्थक पहल सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संस्कार, संगठन और जागरूकता आवश्यक हैं। हमारी युवा पीढ़ी आधुनिक शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़े, नए अवसरों का लाभ उठाए, लेकिन अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को भी हमेशा साथ लेकर चले। मुख्यमंत्री ने युवाओं से नशे से दूर रहने, दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा सामाजिक एकजुटता को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि करमा परब महोत्सव का आयोजन युवा प्रभाग द्वारा किया जाना विशेष प्रसन्नता की बात है। यह इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर सजग है।

जनजातीय समाज का उत्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं। आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर जनजातीय समाज की बेटी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू विराजमान हैं। यह पूरे जनजातीय समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीयता के साथ कहा कि आज छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री भी आपके बीच का आपका अपना 'विष्णु भैया' है। हमारी सरकार जनजातीय समाज के प्रत्येक परिवार को विकास की मुखधारा से जोड़ने और नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को पक्के आवास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल



और अन्य आवश्यक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी प्रकार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातीय बहुल गांवों के समग्र विकास को गति दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ जनजातीय समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उसके जीवन में वास्तविक बदलाव आए।

अंडर-17 में लगातार दूसरे वर्ष बनीं प्रदेश चैंपियन

बेटियों ने क्रिकेट में रचा इतिहास, अंडर-17 और अंडर-19 दोनों वर्गों में जीते स्वर्ण पदक



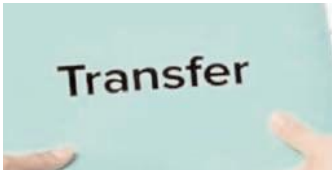
रायपुर। जशपुर जिले की बेटियों ने क्रिकेट के मैदान में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर दोहरी स्वर्णिम सफलता हासिल की है। शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास इचकेला में रहकर अध्ययन करने वाली बालिका खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के अंडर-17 और अंडर-19 दोनों आयु वर्गों में सरगुजा जोन को स्वर्ण पदक दिलाकर जिले का गौरव बढ़ाया है। दोनों विजेता टीमों में इचकेला छात्रावास की कुल 20 बालिका खिलाड़ियों की भागीदारी रही। इस उपलब्धि ने साबित किया है कि ग्रामीण और जनजातीय अंचलों की बेटियां भी उचित अवसर, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलने पर खेल के क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के गृह जिले जशपुर की बेटियों की इस शानदार उपलब्धि से जिले में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। कलेक्टर सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों और

खेल प्रेमियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सारांगढ़ में 4 से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में अंडर-17 बालिका क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। सरगुजा जोन की टीम ने रायपुर, दुर्ग और बस्तर जोन को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में बिलासपुर जोन को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस विजेता टीम में

इचकेला छात्रावास की 10 प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल रहीं। टीम को कप्तान कुमारी गायत्री बाई के नेतृत्व में एंजेल लकड़ा, आस्था रानी, आकृति यादव, अमोषा लकड़ा, साक्षी यादव, सुप्रिया मिंज, अनन्या सिदार, अलका रानी कुजूर और आराधना ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विशेष बात यह है कि सरगुजा जोन की अंडर-17 बालिका क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष कांकर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था। इस वर्ष लगातार दूसरी बार प्रदेश चैंपियन बनकर खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, निरंतरता और श्रेष्ठ खेल कौशल का परिचय दिया है। अंडर-19 में भी बेटियों का शानदार प्रदर्शन, प्रदेश की अन्य जोन टीमों को दी मात अंडर-19 बालिका क्रिकेट वर्ग में भी सरगुजा जोन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। राजनांदगांव में 24 सितंबर 2026 से आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में टीम ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और बस्तर जोन को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

रायपुर। जरूरतमंदों की सहायता के लिए त्वरित पहल करते हुए महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा के ग्राम कल्याणपुर निवासी दिव्यांग श्री जगसाय राजवाड़े को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई। श्री जगसाय 5 अक्टूबर को मंत्री श्रीमती राजवाड़े के निज निवास बीरपुर पहुंचे थे और अपनी आवागमन संबंधी कठिनाई बताते हुए ट्राइसाइकिल की मांग रखी थी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने उनकी आवश्यकता को समझते हुए तत्काल संबंधित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मांग रखे जाने के लगभग एक घंटे के भीतर ही श्री जगसाय को ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी गई। इससे उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाने में मदद मिली। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि जनसेवा का उद्देश्य जरूरतमंदों के जीवन को सुगम बनाना है। आमजन की समस्याओं को सुनना, उनकी जरूरतों को समझना और समय पर सहायता उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

मंत्री राजवाड़े की त्वरित पहल से दिव्यांग हितग्राही को एक घंटे में मिली ट्राइसाइकिल



कुमार मीणा को पुलिस अधीक्षक (चिटफंड एवं महिला विरुद्ध अपराध) बनाया गया है। वहीं, सुकमा में पदस्थ रोहित कुमार शाह को 15वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, बीजापुर का सेनानी नियुक्त किया गया है। जगदलपुर के नगर पुलिस अधीक्षक रहे सुमीतकुमार दत्ताहारी को (ऑप्स), कांकर बनाया गया है। रायपुर में सहायक पुलिस आयुक्त रहे ईशू रमन कुमार को पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में पुलिस अधीक्षक (स्टू) बनाया गया है। नारायणपुर में पदस्थ अजय कुमार को पुलिस अधीक्षक (SIB) की जिम्मेदारी दी गई है। आकाश श्रीमाल को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (अ.अ.वि.), जबकि अक्षय प्रगोद सबद्रा को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (योजना/प्रबंध) बनाया गया है। एसटीएफ बबेरा, दुर्ग में पदस्थ आकाश कुमार शुक्ला को सहायक पुलिस महानिरीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीजापुर में पदस्थ रविन्द्र

महत्त्वपूर्ण ख़बर

रोहित के रिहैब की जानकारी बीसीसीआई ने छिपाई

■ नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 के बाद हैमरिट्ग की चोट से उबरने के लिए बंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब किया था, लेकिन बीसीसीआई ने इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की। यह दावा एक एजेंसी ने सीआई की सालाना रिपोर्ट के हवाले से किया है। अप्रैल, 2025 से मार्च, 2026 के बीच टीम इंडिया के 32 क्रिकेटर्स ने सीआई में रिहैब किया है। इनमें बीसीसीआई के 20 सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले और 12 टागेटैड/इंडिया-ए कैटेगरी खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को हुई चोटों में इकलौता गंभीर मामला ऋषभ पंत का था। जुलाई, 2025 में इंग्लैंड के मैन्चेस्टर में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान उनके पैर की हड्डी टूट गई थी।

एशियाई पेरा खेलों में भारतीय ध्वजवाहक होंगे प्रमोद भगत और भाविना पटेल



नई दिल्ली। 18 अक्टूबर से जापान में होने जा रहे पैरालंपिक खेलों में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का ध्वजवाहक चुना गया है। ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी 18 अक्टूबर को आयोजित होने उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वज थामकर चलेंगे। एशियाई पैरा गेम्स का पांचवां संस्करण 18 से 24 अक्टूबर तक चलेगा, इसमें भारतीय दल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा।

प्रमोद भगत को भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में गिना जाता है, ने अपने शानदार करियर में साल 2014 से 2023 के बीच कुल छह पदक जीते हैं। इनमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक भी शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस की स्टार भाविना पटेल ने भी साल 2018 से 2023 के दौरान एशियन

पैरा गेम्स में दो अहम पदक जीते हैं। इसमें एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल है, जो उनकी दृढ़ता और कौशल को दिखाता है। भारतीय ध्वजवाहक चुने जाने से उत्साहित भाविना पटेल ने अपनी खुशी और गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भारत की ध्वजवाहक चुना

प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारे सभी खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेंगे, इस ऐतिहासिक पल का भरपूर आनंद लेंगे और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

गौरतलब है कि प्रमोद भगत और भाविना पटेल ने मिलकर एशियन पैरा खेलों में कुल आठ पदक हासिल किए हैं। अब ये दोनों खिलाड़ी भारतीय दल के सबसे आगे तिरंगा थामकर देश के अभियान को एक प्रेरणादायक शुरूआत करेंगे। उनका यह चयन भारतीय पैरा खेलों के लगातार बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के पैरा एथलीटों की बढ़ती पहचान और उपलब्धियों का भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। प्रमोद और

भाविना दोनों ने ही बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी अद्वितीय उपलब्धियों से देश के अनगिनत युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उद्घाटन समारोह में उनकी गरिमामयी उपस्थिति पूरे भारतीय दल के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत साबित होगी।

वहीं पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया ने भी इन दोनों खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है। ये दोनों असाधारण चैंपियन हैं और इन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है।



एशियाई खेलों के बाद अब विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतना चाहते हैं सुजीत

नई दिल्ली। हाल में जापान में हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवान सुजीत कलकल की नजरें अब विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीत पर लगी हैं। सुजीत अब 24 अक्टूबर से 1 नवंबर तक कजाकिस्तान के अस्ताना में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पूरी तरह तैयार है। सुजीत का मानना है कि देश के लिए स्वर्ण जीतना उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। सुजीत ने अपनी दिवाली योजनाओं को साझा करते हुए भागुका से कहा, देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना ही मेरे लिए दिवाली जैसा है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं के चलते वे कभी भी त्योहार घर पर अपने परिवार के साथ नहीं मना पाते हैं। सुजीत ने आगे कहा, मेरे पिता हमेशा कहते हैं कि अगर तुम स्वर्ण पदक लेकर घर आते हो तो वही तुम्हारे लिए दिवाली और होली है। इस साल भी दिवाली के आसपास ही विश्व चैंपियनशिप है, और उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतकर ही इस त्योहार को यादगार बनाना है।

गौरतलब है कि एशियाई खेलों के 65 क्रिया फ्रीस्टाइल फाइनल में सुजीत ने जापान के ओलिंपिक चैंपियन कोटारो कियोका को हराकर अपना दमदार प्रदर्शन दिखाया था। इसके बाद ताजिकिस्तान के अब्दुल्माजिद कुडिबेव के खिलाफ उनका फाइनल मुकाबला और भी नाटकीय और रोमांचक रहा। एक समय वे 2-9 से पीछे चल रहे थे, लेकिन अपनी हिम्मत और तकनीक के दम पर उन्होंने अविश्वसनीय वापसी करते हुए 10-9 से मुकाबला अपने नाम कर स्वर्ण पदक जीता। इसको लेकर सुजीत ने बताया, शुरुआत में मैं फाइनल मुकाबले को नियंत्रित नहीं कर पा रहा था, क्योंकि मैं टीक से वार्म-अप नहीं कर पाया था। लेकिन दूसरे पीरियड में मेरी पकड़ अच्छी बनी और मैंने जो भी अटैक किया, वह सफल रहा। मुकाबले के अंत तक मैंने सभी अंक कवर कर लिए थे।

एशियाई खेलों की सफलता के बावजूद, सुजीत का ध्यान अब पूरी तरह से विश्व चैंपियनशिप पर केंद्रित है, जिसे वह बहुत बड़ी चुनौती मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रतियोगिता ओलंपिक से भी ज्यादा कठिन होने वाली है, क्योंकि इसमें दुनिया के शीर्ष पहलवान हिस्सा लेंगे। अपनी तैयारी के बारे में सुजीत ने बताया, हम किसी खास तरह की तैयारी नहीं करते हैं। पिछली प्रतियोगिताओं में जो गलतियां हुई हैं, हम उन पर लगातार काम करते हैं ताकि आने वाली प्रतियोगिताओं में उन्हें दोबारा न दोहराया जाए।

हरमनप्रीत पहले से मजबूत टीम छोड़कर गयी हैं : अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने हाल ही में तीनों प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने वाली हरमनप्रीत कौर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि घरेलू धरती पर टीम को एकदिवसीय विश्व कप 2025 में जीत दिलाना रहा। चोपड़ा ने कहा कि हरमनप्रीत को कप्तान संभालते समय जैसी टीम मिली थी उससे अच्छी टीम उन्होंने नई कप्तान के लिए छोड़ी है। आज की टीम पहले से अधिक अनुभवी और आत्मविश्वासी से भरी हुई है। अंजुम ने



कहा, एक नेता के तौर पर हरमनप्रीत की

सबसे बड़ी पहचान हमेशा 2025 में

यह किसी भारतीय का अंतराष्ट्रीय टी-20 में पहला शतक था

अंजुम ने कहा, बतौर क्रिकेटर लंबी यात्रा के बाद भी मुझे नहीं लगता कि हरमनप्रीत कौर एक इंसान के तौर पर बदली हैं, भले ही महिलाओं के खेल के लिए उनके आस-पास की चीजें काफी बदल गई हों। मैंने उनमें कभी भी जल्दबाजी वाला पहलू नहीं देखा। उन दिनों से लेकर अब तक मैंने हरमनप्रीत में हमेशा एक शांत स्वभाव देखा है। ग्लोबल इवेंट्स में टीम इंडिया के जीत की दावेदार बनने की प्रक्रिया के सवाल पर अंजुम ने कहा, यह इसलिए बदला है क्योंकि हमने सकारात्मक तरीके से परिणाम देखना शुरू कर दिया है। मैं यह नहीं कह रही कि पहले के कप्तान परिणाम नहीं देते थे, लेकिन जब हरमन ने टीम संभाली, तो युवाना में 2018 विश्व कप में भी, मुझे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच याद है, उन्होंने शतक लगाया था। यह किसी भारतीय का अंतरराष्ट्रीय टी20 में पहला शतक था।

एकदिवसीय विश्व जीतना रहा। उस टूर्नामेंट में टीम बल्लेबाजी, लीग में, कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने

की ही भूमिका नहीं थी बल्कि हर खिलाड़ी का जीत में योगदान रहा थ। हरमन का कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने

एकदिवसीय की कप्तानी संभाली थी। पहले, हम टी20 बहुत कम खेलते थे और शेड्यूल में ज्यादा वनडे गेम होते थे। हाल के वर्षों में यह बदल गया है।

धोनी को गिलक्रिस्ट से बेहतर विकेटकीपर मानते हैं वॉर्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भारतीय टीम के पूर्व विकेटीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को एडम गिलक्रिस्ट से बेहतर विकेटकीपर बताया है। इसके बाद से ही साफ हो गया कि वॉर्नर, धोनी के प्रशंसक हैं। गौरतलब है कि क्रिकेट की दुनिया में धोनी और गिलक्रिस्ट का नाम हमेशा सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में शामिल रहा है। इन दोनों दिग्गजों ने अपने शानदार खेल से क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में खास जगह बनाई है।

वॉर्नर का यह जवाब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और क्रिकेट जगत में एक नई चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, उसमें वॉर्नर से क्रिकेट से जुड़े कुछ त्वरित सवाल पूछे जा रहे हैं। इसी क्रम में उनसे पूछा गया कि धोनी और गिलक्रिस्ट में से वह किसे बेहतर मानते हैं? इस सीधे-सादे सवाल के जवाब में वॉर्नर ने बिना देर के बिना धोनी का नाम लिया। उनका यह छोटा-सा और सीधा जवाब क्रिकेट

प्रशंसकों के लिए बड़ा संकेत बन गया है, जो बताता है कि वॉर्नर, धोनी को एडम गिलक्रिस्ट से बेहतर विकेटकीपर मानते हैं। गौरतलब है कि धोनी और गिलक्रिस्ट, दोनों ही अपनी-अपनी शैलियों में अद्वितीय रहे हैं। धोनी जहां विकेट के पीछे अपनी बिजली-सी तेज स्टंपिंग, बेजोड़ रिप्लेक्स और खेल की गहरी समझ के लिए जाने जाते हैं, वहीं गिलक्रिस्ट अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में भी कमाल का प्रदर्शन करते थे, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया को कई यादगार जीत दिलाई।

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान को संन्यास लिए काफी समय हो गया है फिर भी वह करोड़ों की कमाई कर रहे हैं। यहां तक की उन्होंने टीमों तक खरीद ली हैं। जहीर ने हाल ही में, वह लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की फ्रेंचाइजी जाफना किंग्स में हिस्सेदारी खरीदी है जिससे वह सहमालिक बन गये हैं। इससे पहले उन्होंने इंग्ी टी20 लीग में बेल्लियम लीग की फ्रेंचाइजी एंटरप्राइज़ में निवेश किया था। एक रिपोर्ट के



27 करोड़ रुपये से अधिक रही है। संन्यास के बाद भी वह आईपीएल से जुड़े रहे हैं। उन्होंने 2018 से 2022 तक मुंबई इंडियंस के साथ डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट और हेड ऑफ ग्लोबल क्रिकेट डेवलपमेंट

जैसे अहम पदों पर काम किया, और बाद में लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर की भूमिका भी निभाई है। खिलाड़ी, कोचिंग और मेंटoring भूमिकाओं को मिलाकर, आईपीएल से जहीर की कुल अनुमानित कमाई 35 से 40 करोड़ रुपये के बीच बताई जाती है।

उनकी सक्रियता स्टेपसेट गो जैसे फिटनेस से जुड़े दो उद्यमों के सह-संस्थापक बनने से पता चलती है। मुंबई में उनका अपना जहीर खान डाइन फाइन नाम का एक लोकप्रिय रेस्टोरेंट भी है। उनकी संपत्ति में आलीशान रियल एस्टेट और लक्जरी वाहनों का संग्रह भी शामिल है। उन्होंने अपनी पत्नी और जानी-मानी अभिनेत्री सागरिका घाटगे के साथ मुंबई के पॉश फ़ैरेल इलाके में लगभग 11 करोड़ रुपये का एक घर खरीदा है।

कारोबार

अब ज्यादा सटीक होगी देश में जीडीपी की तस्वीर; दूध-घी से हवाई सफर तक का खर्च भी जुड़ेगा ?

नई दिल्ली। देश की जीडीपी की अब ज्यादा सटीक तस्वीर सामने आएगी। इसके आकलन के तरीके में बड़ा बदलाव होगा और यह देखा जाएगा कि देश के लोग खाने पीने, कपड़े, मकान, किराएदारी, परिवहन, मनोरंजन व शिक्षा व इलाज पर कितना खर्च कर रहे हैं। केवल उपभोग नहीं खर्च के बदलते तौर -तरीकों का भी पता चलेगा। सरकार को पता चलेगा कि लोगों की मांग किन वस्तुओं और सेवाओं में बढ़ रही है और किन क्षेत्रों में उपभोग का रुझान बदल रहा है। सांख्यिकी मंत्रालय ने जीडीपी के आकलन में 2022-23 आधार वर्ष वाली नई श्रृंखला में निजी

अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) के आकलन का दायरा बढ़ाया है। पहले 46 मदों में अनुमान लगाए जाते थे अब जबकि नई व्यवस्था में करीब 128 मदों के लिए अनुमान तैयार होंगे। इसका मसौदा शुक्रवार को जारी किया गया है। नए मसौदे के मुताबिक, निजी अंतिम उपभोग खर्च में वाहनों की खरीद और उनके रखरखाव से लेकर सड़क, रेल और हवाई सफर पर खर्च तक के आंकड़ों का इस्तेमाल होगा। सड़क परिवहन और घरेलू वाहनों के खर्च का बेहतर अनुमान लगाने के लिए यूपी, महाराष्ट्र समेत छह राज्यों और दिल्ली-एनसीआर में अध्ययन

कराया गया। इसमें वाहनों की कमाई, ईंधन, मरम्मत और रखरखाव पर होने वाले खर्च की जानकारी जुटाई गई। ल्लनई व्यवस्था में मकखन और घी को डेयरी उत्पादों के बजाए अब तेल एवं वसा समूह में रखा जाएगा। आइसक्रीम अब चीनी, कन्फेक्शनरी और डेजर्ट समूह में रखी गई है। सिलाई अब कपड़ों की सफाई व मरम्मत वाले खर्च के साथ जुड़ेगी। संचार का नाम बदलकर सूचना एवं संचार किया गया है, जबकि बीमा और वित्तीय सेवाओं के लिए अलग समूह बनाया गया है। महंगाई और वास्तविक खपत में अंतर समझना होगा आसान



बेहतर मूल्य सूचकांकों से मौजूदा कीमतों पर खर्च और

आर्थिक तरक्की को नापने का पैमाना बनेगा यूपीआई

देश में डिजिटल क्रांति का पर्याय बन चुका यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब केवल भुगतान का जरिया नहीं रहेगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की नब्ज नापने का सबसे बड़ा आधिकारिक पैमाना बनने जा रहा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने देश के सेवा क्षेत्र के प्रदर्शन का दायरा और सटीकता बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक प्रस्ताव रखा है। मंत्रालय की योजना है कि निजी स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी विभागों की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए यूपीआई के लेन-देन डाटा और सरकारी वेतन रिपोर्ट्स का उपयोग किया जाए। यह पूरी कवायद सरकार के नए सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) के विस्तार का हिस्सा है। भारत में अब तक औद्योगिक उत्पादन को मापने के लिए मासिक आईआईपी (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक) तो मौजूद था, लेकिन सर्विसेज सेक्टर के लिए कोई समग्र आधिकारिक मासिक सूचकांक उपलब्ध नहीं था। यूपीआई और सैलरी डाटा को शामिल करने के बाद इस नए इंडेक्स का कवरेज 60% से उछलकर लगभग 78% सर्विसेज जीवीए तक पहुंच जाएगा।

महंगाई के असर को अलग करके वास्तविक उपभोग में हुए बदलाव का आकलन करने में मदद मिल सकती है। राज्यवार निजी उपभोग

व्यय के अनुमान तैयार करने के लिए पारिवारिक उपभोग सर्वेक्षण और जनसंख्या अनुमानों का उपयोग किया जा सकता है। बैंकिंग

और बीमा सेवाओं के लिए रिजर्व बैंक तथा बीमा नियामक के राज्यवार आंकड़े भी उपयोगी होंगे।

आरबीआई ने बैंकों के लिए सीआरआर की दैनिक सीमा 99 फीसदी की

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) के दैनिक रखरखाव नियमों को सख्त कर दिया है। शुक्रवार को हुई घोषणा के अनुसार, अब बैंकों की निर्धारित सीआरआर का 99 फीसदी दैनिक रूप से बनाए रखना होगा। यह सीमा पहले 90 फीसदी थी। संशोधित नियम 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले रिपोर्टिंग पखवाड़े से लागू होंगे।

इस बदलाव से बैंकों की किसी एक दिन अपने आरक्षित शेष को कम करने की क्षमता काफी घट जाएगी। आरबीआई ने सीआरआर के समग्र अनुपात में कोई बदलाव नहीं किया है। इस कदम का उद्देश्य बैंकों के दैनिक नकदी प्रबंधन को मजबूत करना है। इसका लक्ष्य आरक्षित आवश्यकताओं का अधिक निरंतर रखरखाव सुनिश्चित करना है। संशोधित नियम का प्रभाव बैंकों की नकदी स्थिति और उनके कोष प्रबंधन प्रक्रियाओं पर निरपेक्ष होगा। जिन बैंकों का काम न्यूनतम आरक्षित सीमा के करीब होता है, उन्हें अपने दैनिक नकदी प्रबंधन में बदलाव करने पड़ सकते हैं। यह फैसला आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के 7 अक्टूबर के बयान के बाद आया है। उन्होंने कहा था कि वित्त वर्ष के बाकी हिस्से में बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है।

क्या है सीआरआर का नया नियम?

मौजूदा व्यवस्था में बैंकों को एक पखवाड़े के दौरान निर्धारित सीआरआर के बराबर औसत शेष रखना होता है। उन्हें किसी भी दिन इस आवश्यकता का कम से कम 90 फीसदी बनाए रखने की छूट थी। नए नियम के तहत, यह दैनिक सीमा बढ़ाकर 99 फीसदी कर दी गई है। इससे बैंकों को हर दिन लगभग पूरा सीआरआर बनाए रखना होगा। यह केन्द्रीय बैंक की मौद्रिक नीति को अधिक प्रभावी बनाएगा।

नैफेड-एफसीआई की पहल, आर्मी कैंटीन में मिलेगा भारत राइस; एमएसएमई में एनपीए पर बोले सीईए नागेश्वरन

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाने के बाद राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) अब भारतीय सेना की कैटीनों में भी अपने कदम जमाने जा रहा है। आने वाले दिनों में देश भर की सभी सैन्य कैटीनों में भारत ब्रांड का चावल उपलब्ध होगा, जिसकी औपचारिक शुरुआत 12 अक्टूबर से होने की संभावना है। वर्तमान में नैफेड की ओर से कैटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट (सीएसडी) को दालों की आपूर्ति की जा रही है। दालों की बेहतरीन गुणवत्ता को देखते हुए अब आर्मी ने नैफेड से चावल भी लेने का निर्णय लिया है। सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान में नैफेड की ओर से सेना को सालाना करीब 35 हजार टन दालों की आपूर्ति की जा रही है, जबकि 'भारत राइस' की सालाना खपत 30 हजार टन तक होने का अनुमान लगाया गया है। इस संबंध में नैफेड ने अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस पूरी व्यवस्था को बेहद सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए नैफेड, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के साथ मिलकर काम करेगा और किसानों व खुले बाजार से सीधे कच्चा धान या चावल

खरीदेगा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि रिजर्व बैंक को सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के वर्गीकरण संबंधी नियमों पर फिर से विचार करना चाहिए। इन नियमों को वैश्विक स्तर के अनुरूप बनाने के बजाय देश की कारोबारी परंपराओं और नकदी प्रवाह के तौर-तरीकों के अनुरूप बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीतिगत स्तर पर वित्त मंत्रालय इन मानदंडों की समीक्षा की वकालत करता रहा है। मौजूदा व्यवस्था के तहत, बकाया भुगतान की अवधि के आधार पर कर्ज को विशेष उल्लेख खातों (के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इसकी श्रेणियां 30 दिन, 60 दिन और 90 दिन के बकाया भुगतान के अनुरूप हैं। आम तौर पर, यदि व्यय या मूलधन का भुगतान 90 दिन से अधिक समय तक बकाया रहता है तो खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) यानी फंसा कर्ज घोषित कर दिया जाता है। केंद्र सरकार देश के रणनीतिक क्षेत्रों को मजबूती देने के लिए जल्द ही



महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) के भंडारण पर एक नई नीति की घोषणा कर सकती है। खान सचिव केशव चंद्र ने शुक्रवार को इंडिया माईंस एंड मिनरल्स कॉन्फ्लेव 2026 के इतर यह जानकारी देते हुए बताया कि नीति को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे लगभग एक महीने के भीतर लागू कर दिया जाएगा। इस नीति का मुख्य उद्देश्य रक्षा, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस, कृषि, ऊर्जा और दूरसंचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए इन खनिजों

का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करना है। सरकार ने पहले ही इन क्षेत्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 30 से अधिक महत्वपूर्ण खनिजों की एक सूची जारी की है। इसके अलावा, लिथियम, कोबाल्ट, निकल, तांबा और दुर्लभ मृदा तत्वों (रेयर अर्थ एलिमेंट्स) जैसी सामग्री को बढ़ावा देने के लिए देश में चार समर्पित प्रोसेसिंग पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। ये पार्क गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में बनाए जा रहे हैं।

प्रमुख केमिकल्स कंपनी हिमाद्री स्पेशलिटी केमिकल्स ने वित्त वर्ष 2027-28 तक अपने मुनाफे को दोगुना करने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 के 555 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ को आधार मानकर इसे 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा तक पहुंचाने की राह पर आगे बढ़ रही है। कंपनी ने बताया कि वह पारंपरिक कोल तार डेरिवेटिव से शिफ्ट होकर एडवांस्ड मैटेरियल की बड़ी वैश्विक कंपनी बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही है। कंपनी के चेयरमैन और एमडी अनुराग चौधरी ने कहा कि कंपनी अब अधिक

मार्जिन वाले उत्पादों और ईवी बैटरी सप्लायर्स के रूप पर विशेष ध्यान दे रही है। कंपनी ने कार्बन नैनोट्यूब और सुपर स्पेशलिटी कार्बन ब्लैक क्षमता के आधुनिकीकरण के लिए बड़े निवेश किए हैं। कंपनी ईवी बैटरी ईको सिस्टम के तहत एनोड पायलट प्लांट और एलएफपी कैथोड उत्पादों का दायरा बढ़ा रही है, जिसमें चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही तक क्षमता विस्तार किया जाएगा।

13 एनबीएफसी के पंजीकरण रद्द

आरबीआई ने नियमों के उल्लंघन समेत कई अन्य कारणों के चलते 13 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के पंजीकरण प्रमाण पत्र रद्द कर दिए हैं। इनमें से 11 पॉक्षम बंगाल में पंजीकृत हैं और 2 तमिलनाडु से संबंधित हैं। प्रभावित कंपनियों में नकोदर फाइनेंस, अजीतनाथ स्टील्स, एथ्रोल डीलकॉम, भाग्यश्री डेविंग्स, बू फाइनेंस, ब्राइटैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, सजिल विनिमय, भूमिका फिस्कल सर्विसेज, ब्लू माउंट एक्सपोज़र्स, डेल्टा कैपिटल मार्केट आदि शामिल हैं।

बांधवगढ़ की मशहूर बाघिन डोटी की मौत

मानपुर रेंज के दमना बीट में मिला शव

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की मशहूर बाघिन डोटी की मौत हो गई है। मानपुर रेंज के हरदिहा कैंप के पास दमना बीट में बाघिन की मौत की घटना सामने आई है। बाघिन की मौत की खबर फैलते ही वन्यजीव प्रेमियों और बांधवगढ़ के बाघों पर नजर रखने वाले लोगों के बीच शोक का माहौल है।

शुरुआती जानकारी में बाघिन की मौत करंट लगने से होने की आशंका जताई गई, जबकि वन विभाग के अधिकारियों और

करंट से मौत की चर्चा, विभाग ने बताई दूसरी वजह

बाघिन डोटी की मौत के बाद करंट लगने की बात सामने आने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। एक ओर शुरुआती खबरों में करंट से मौत की आशंका जताई गई, वहीं वन विभाग के लोगों के अनुसार बाघिन की उम्र अधिक होने के कारण उसकी प्राकृतिक मौत हुई है। ऐसे में मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि महत्वपूर्ण है। बाघिन के शव की जांच और विभागीय पड़ताल के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि उसकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।

कर्मचारियों का कहना है कि उसकी मौत वृद्धावस्था के कारण हुई हो सकती है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

स्पोर्ट की बहन और

महामन फीमेल की बेटी थी डोटी
बांधवगढ़ के बाघों के पारिवारिक इतिहास के लिहाज से भी बाघिन डोटी का खास महत्व रहा है। उपलब्ध जानकारी के

अनुसार, डोटी स्पोर्ट की बहन और महामन फीमेल की बेटी थी। बांधवगढ़ में बाघों की पहचान, उनकी वंशावली और क्षेत्र में उनकी मौजूदगी को लेकर वन्यजीव प्रेमियों की विशेष रुचि



रहती है। ऐसे में डोटी की मौत की खबर से बाघों की इस चर्चित पीढ़ी से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया है। बांधवगढ़ में बाघों की सुरक्षा और उनकी मौत

के कारणों की निष्पक्ष जांच वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। डोटी की मौत के मामले में भी वास्तविक कारणों की पुष्टि होने का इंतजार है।



देवास गेट बस स्टैंड 12 अक्टूबर से होगा बंद

उज्जैन। एलिवेटेड ब्रिज सहित अन्य विकास कार्यों के चलते शहर में ट्रैफिक प्रबंधन की दृष्टि से प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। 12 अक्टूबर से देवास गेट बस स्टैंड से बसों का संचालन बंद कर दिया जाएगा और सभी रूटों की बसों का संचालन नानाखेड़ा बस स्टैंड से किया जाएगा।

ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर लिया फैसला: देवास गेट बस स्टैंड के आगमन रोड मार्ग पर एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा शहर के प्रमुख मार्गों पर चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के कार्य चल रहे हैं, जिससे आए दिन चक्काजाम की स्थिति बन रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम, यातायात पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त बैठक कर देवास गेट से बसों का संचालन फिलहाल बंद करने का फैसला लिया है। बस संचालकों को 11 अक्टूबर तक देवास गेट से संचालन की अनुमति दी गई है। 12 अक्टूबर से सभी बसों को

अब नानाखेड़ा से होगा सभी रूटों की बसों का संचालन

नानाखेड़ा बस स्टैंड से ही चलाना अनिवार्य होगा। फ्लड संतोष मालवीय ने स्पष्ट किया है कि नियमों का पालन न करने पर वालानी कार्रवाई की जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक, देवास गेट बस स्टैंड से रोजाना करीब 500 बसों का संचालन होता है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशीष सिंह ने नानाखेड़ा बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए जरूरी सुविधाओं के विस्तार के निर्देश दिए हैं। इस फैसले से शहर में ट्रैफिक की समस्या से तो राहत मिलेगी, लेकिन आम जनता की जेब पर असर पड़ेगा। यात्रियों को अब ऑटो-रिक्शा, ई-रिक्शा या मैजिक के जरिए लंबी दूरी तय करके नानाखेड़ा बस स्टैंड पहुंचना होगा, जिससे बस के सफर की तुलना में स्टैंड तक पहुंचने का खर्च अधिक हो सकता है।

नवरात्र पर मेहर में रुकेगी 15 एक्सप्रेस ट्रेनें, श्रद्धालुओं के लिए रेलवे ने दिया 5 मिनट का स्टॉपेज

जबलपुर। मेहर में शारदेय नवरात्र मेला पर पश्चिम मध्य रेल से होकर गुजरने वाली 15 एक्सप्रेस ट्रेनें रुकेगी। लंबी दूरी की इन ट्रेनों के अस्थाई ठहराव की रेलवे ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। ये ट्रेनें दोनों दिशाओं में 11 से 22 अक्टूबर के मध्य पांच मिनट के लिए मेहर स्टेशन में रुकेगी। नवरात्र पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेहर के मां शारदा देवी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। लंबी दूरी के ट्रेनों को नवरात्र के दौरान मेहर रेलवे स्टेशन पर पांच मिनट के ठहराव दिए जाने से श्रद्धालुओं का आगमन में सुविधा होगी। मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु मां शारदा देवी के दर्शन एवं पूजन करने आते हैं। लंबी दूरी की ट्रेनों के अस्थायी ठहराव से उनका मेहर तक आगमन सुलभ होगा। इन ट्रेनों के मेहर स्टेशन पर हॉल्ट, आगमन एवं प्रस्थान समय से संबंधित समय सागिणी भी जारी कर दी गई है। यह ट्रेनें अभी तक मेहर स्टेशन पर नहीं रुकती थीं। लेकिन शारदेय नवरात्र में मां शारदा देवी धाम तक श्रद्धालुओं की आवाजाही सुलभ बनाने के लिए इन ट्रेनों के अस्थाई ठहराव तय किए गए हैं।

ऐंती पर्वत स्थित शनि मंदिर में उमड़ी श्रद्धालु की भीड़

शनि अमावस्या पर तैलाभिषेक के लिए लगी लंबी कतारें



मुरैना। शनि अमावस्या पर शनिवार को मुरैना की बानमोर तहसील के ऐंती पर्वत स्थित शनि मंदिर पर शनि अमावस्या का विशाल मेला लगा। मेले में देशभर में लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शनि मंदिर तक पहुंचने वाली सड़कें देर रात से व्यस्त हैं। न्याय के देवता भगवान शनिदेव के दर्शन और उनके तैलाभिषेक के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए 15 से अधिक थाना प्रभारी व उनकी टीमों को तैनात किया गया है।



शुक्रवार शाम से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया
शनि मंदिर पर दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुक्रवार शाम से शुरू हो गया। रात 12 बजे मंदिर के पट भक्तों के लिए खोल दिए गए। इसके बाद से ही मंदिर पर दर्शनार्थियों की भीड़ लगी है। सूर्यास्त से पहले और सूर्यास्त के बाद भगवान शनि की पूजा व दर्शनों को विशेष महत्व माना जाता है। इसलिए रात के समय मंदिर परिसर में पूजा-पाठ व विशेष अनुष्ठान चले। शनि मेले में ग्वालियर-चंबल के अलावा

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखण्ड तक के दर्शनार्थी आए हैं।
दंडवत लगाते हुए भी मंदिर पहुंचे कई श्रद्धालु
कई श्रद्धालु दंडवत लगाते हुए शनि मंदिर में पहुंचे। सुबह छह बजे से ही मंदिर परिसर से लेकर प्रवेश गेट के बाहर आधा किलोमीटर तक की लंबी श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। दर्शनार्थियों ने भगवान शनि को प्रसन करने के लिए सरसों के तेल से अभिषेक किया, काले रंग को पोशाक चढ़ाई और तिल, लड्डुओं की भेंट चढ़ाई। कई लोग मुंडन कराकर, कई पुराने कपड़ों, जूते-चप्पलों का त्याग करके अपनी मनोकामना लेकर शनि दरबार में पहुंचे। मंदिर परिसर में पुराने पकड़े व जूते चप्पलों के जगह-जगह ढेर हो गए। मंदिर तक पहुंचने वाले हर रास्ते पर टंडा पानी, शर्बत पिलाने के पंडाल लगे, तो मेला स्थल के आसपास कई भंडारे लगे, जहां अलग-अलग व्यंजन श्रद्धालुओं को परोसे गए।

बंजारी में पलटी बस, एक छात्रा की मौत; आठ यात्री गंभीर रूप से घायल

कटनी। विजयरवगढ़ थाना अंतर्गत बंजारी में एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई दुर्घटना में बस में सवार एक छात्रा की मौत हो गई जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और कई यात्रियों को चोट आई है, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने विजराघवगढ़ अस्पताल के बाहर चक्का जाम कर दिया है। अधिकारी उन्हें मनाने का प्रयास कर रहे हैं जानकारी के अनुसार बंजारी होते हुए विजयरघवगढ़ की ओर आ रही एक यात्री बस अचानक से बंजारी



के पास अनियंत्रित हो गई और पलट गई। घटना के बाद यात्रियों की चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़े और पुलिस को सूचना दी। लोगों ने घायलों को निकालते हुए सिविल अस्पताल पहुंचाया जहां पर शिवानी

का इलाज विजयरघवगढ़ के सिविल अस्पताल में चल रहा है। आक्रोशित स्वजनों ने विजयरघवगढ़ कटनी मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। लोगों का आरोप है कि अनफिट बसों के सड़क पर दौड़ाया जा रहा है और आरटीओ को सस्पेंड करने सहित मृतक छात्रा के स्वजनों को एक करोड़ मुआवजा दिया जाए।

लोधी पिता संतोष पटेल उम्र लगभग 16 साल निवासी पिंपरा की मौत हो गई। वह कक्षा ग्यारहवीं उत्कृष्ट विद्यालय विजयरघवगढ़ की छात्रा थी। वहीं घटना में आठ लोग गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय रेफर कर दिए गए हैं। लगभग 20 लोगों

स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में पूर्ण सहयोग करेंगे पटवारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले पटवारी संघ के पदाधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में मध्यप्रदेश पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने भेंट की।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री श्री रमेश शर्मा और भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री श्री कुलदीप सिंह गुर्जर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रस्तावित सम्मेलन के लिए भी आमंत्रित किया गया।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट के पश्चात मध्यप्रदेश पटवारी संघ के

प्रांतीय अध्यक्ष श्री उपेन्द्र सिंह बघेल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव से

उनकी सार्थक चर्चा हुई है। स्वामित्व योजना में आवश्यक न्यायिक संरक्षण की व्यवस्था कर दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहदयतापूर्वक आवश्यक आदेश जारी करने की बात कही है। मध्यप्रदेश प्रांतीय पटवारी संघ के श्री अश्विन सैनी ने कहा कि स्वामित्व योजना से जुड़े कार्यों को सभी निष्ठा से करने के लिए तत्पर रहेंगे। भारतीय मजदूर संघ के प्रांतीय मंत्री श्री कुलदीप सिंह ने कहा कि स्वामित्व योजना से संबंधित कार्य

राज्य सरकार की प्राथमिकता है। पटवारी बंधु अपने दायित्व निर्वहन में पीछे नहीं रहेंगे।

सीएन का परिचय करवाया

जनकल्याण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रत्येक निर्णय में सभी सहभागी होंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री रमेश शर्मा ने पटवारी संघ के पदाधिकारियों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का परिचय करवाया।

हर नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़ी है और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से जनविश्वास अभियान के माध्यम से सरकार घर-घर पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति कर रहा है।

प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग को राहत देने तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर योजनाएं संचालित कर रही है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा जिला चिकित्सालय पहुंचकर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया तथा मरीजों से चर्चा कर उनके उपचार एवं अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अथर्व निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली बच्चों को निःशुल्क चर्चमें वितरित किए। साथ ही क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मरीजों को पोषण सहायता के उद्देश्य से फूड बारकेट प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों को वितरित किये रजिस्ट्री प्रमाण-पत्र



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को हरदा जिले में आयोजित कार्यक्रम में स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के हस्तांतरण जिलेख के निष्पादन योजना के अंतर्गत वर्ष 2026 के हितग्राहियों को रजिस्ट्री प्रमाण-पत्र वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम गोंदागांव के ग्रामीण श्री निर्भयदास एवं श्री भैयालाल को रजिस्ट्री प्रमाण-पत्र प्रदान किये। इस दौरान अन्य आठ हितग्राहियों को भी रजिस्ट्री प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र ग्रामीणजन को उसकी भूमि का अधिकार मिले। स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीणों को न केवल कानूनी सुरक्षा मिल रही है, बल्कि वे आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रहे हैं। रजिस्ट्री मिलने से उनकी संघर्ष की कीमत बढ़ेगी और वे शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से ले सकेंगे।

रजिस्ट्री प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अपनी भूमि का विधिवत मालिकाना हक मिलने से उन्हें अब बैंक से ऋण लेने में आसानी होगी तथा अपनी भूमि पर वे निर्भय होकर निर्माण एवं अन्य कार्य कर सकेंगे। उन्होंने सरकार की इस योजना की प्रशंसा की।

स्वामित्व अधिकार अभिलेख हस्तांतरण योजना से मिला 10 हितग्राहियों को मालिकाना हक